▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 180 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 25-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विकसित भारत का इंजन बनेगा उप्र : अमित शाह

6 हवलदार रोहित कुमार : खतरनाक ढलान पर खोला जवानों के लिए रास्ता, कर्तव्य पथ पर दिया बलिदान

7 'दलदल' में पुलिस अफ़सर बनीं भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर भूस्खलन से आठ लोगों की मौत, कई लापता

जकार्ता (इंडोनेशिया)/एपी। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार की तड़के मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 82 अन्य लापता हो गए। बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश में जुटे है। लगातार कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण पश्चिम जावा प्रांत के वेस्ट बांडुंग जिले के पासिर लांगू गांव में नदियां उफान पर हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मलबे और कीचड़ में दबे होने की आशंका में 82 ग्रामीणों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं, जबकि 24 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि तड़के लगभग तीन बजे हुए भूस्खलन में सबसे अधिक प्रभावित पासिर कुनिंग बस्ती में कई लोग बह गए और अब तक आठ शव मलबे से निकाले जा चुके हैं।

जैसलमेर शहर में पर्यटकों को देना होगा 'यात्री कर'

जयपुर/भाषा। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर में घूमना अब थोड़ा महंगा होने वाला है, शहर की नगर परिषद ने यहां आने वाले वाहनों पर 'यात्री कर' लगाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि नगर परिषद की इस पहल को स्वायत्त शासन विभाग से मंजूरी मिल गई है जिसके इसके तहत निजी गाड़ियों या टैक्सियों से आने वाले पर्यटकों को तय प्रवेश बिंदु पर यह कर चुकाना होगा। उन्होंने बताया कि बाड़मेर रोड और जोधपुर रोड पर टोल नाके बनाए जाएंगे, जैसे ही गाड़ियां शहर की सीमा में आएंगी उन्हें कर देना होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए दर तय कर ली गई हैं, जिसके तहत 35 सीट वाली बस के लिए 200 रुपए, 25 सीट वाली बस के लिए 150 रुपए, पांच सीट वाली कार के लिए 100 रुपए और टैक्सियों और अन्य कार के लिए 50 रुपए देय होंगे।

ईरान के 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' कमांडर ने अमेरिका को चेतावनी दी

दुबई/एपी। ईरान में हाल ही में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को कुचलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ईरानी सशस्त्र बल 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' के कमांडर ने शनिवार को कहा कि देश ''पहले से कहीं अधिक तैयार है, उसकी उंगली 'ट्रिगर' पर रखी हुई है''। यह चेतावनी अमेरिकी युद्धपोतों के मध्य पूर्व की ओर बढ़ने के बीच आई। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ भड़के विरोध प्रदर्शनों में हजारों लोगों के मारे जाने की खबर है।

सूर्यास्त 25-01-2026	सूर्योदय 26-01-2026
6:06 बजे	6:35 बजे

BSE	NSE
81,537.70	25,048.65
(-769.66)	(-241.25)

सोना	चांदी
16,337 रु.	335,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

सब क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल सभी का शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन-मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करे सब,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

व्यापार समझौते युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे : मोदी

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के वास्ते विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही, जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेलों को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। ये व्यापार समझौते देश के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आ रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि दुनिया में युवाओं की सबसे अधिक संख्या भारत में है और उनकी सरकार देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले अभ्यार्थियों से अपील की कि वे इन्हें (नियुक्ति पत्रों को) राष्ट्र निर्माण में शामिल होने के निमंत्रण और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करने की प्रतिज्ञा के रूप में लें।

मोदी ने युवाओं से पिछले वर्षों में सरकारी कार्यालयों में अपने अनुभवों को याद करने को कहा और उनसे आग्रह किया कि वे अपने कार्यकाल के दौरान नागरिकों को ऐसी कठिनाइयों का सामना न करने देने का संकल्प लें। मोदी ने युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय 'नागरिक देवो भव' (नागरिक भगवान के समान है) के आदर्श वाक्य के साथ काम करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में सरकार ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश किया है, जिससे निर्माण से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि हुई है।

राहुल गांधी 'डरपोक' और असुरक्षित व्यक्ति हैं : शकील अहमद

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व नेता शकील अहमद ने शनिवार को दावा किया कि राहुल गांधी एक 'डरपोक' और असुरक्षित नेता हैं तथा वह उन्हीं लोगों को आगे बढ़ाते हैं जो उनके गुण गाते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी महासचिव रह चुके अहमद ने पिछले साल नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी। वह तीन बार विधायक और दो बार सांसद भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी उन वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में खुद को असहज महसूस करते हैं, जिनकी सार्वजनिक प्रतिष्ठा है और इसलिए वह केवल उन लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिनका कोई आधार नहीं है।

'वोट चोरी' की साज़िश का सहभागी बना निर्वाचन आयोग : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत मुख्य विपक्षी दल समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने का दावा किया और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं, बल्कि इस 'वोट चोरी' की साज़िश का मुख्य सहभागी बन चुका है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि एसआईआर को एक व्यक्ति, एक वोट के संवैधानिक अधिकार को ख़त्म करने के हथियार में बदल दिया गया है, ताकि भाजपा तय करे कि सत्ता में कौन रहेगा।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर गुजरात कांग्रेस कमेटी के एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दावा किया कि गुजरात में एसआईआर के नाम पर सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, जहां-जहां एसआईआर, वहां-वहां वोट चोरी। गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है, वह किसी भी तरह की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है – यह सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी है। उन्होंने दावा किया कि सबसे चौंकाने वाली और ख़तरनाक बात यह है कि एक ही नाम से हज़ारों-हज़ार आपत्तियाँ दर्ज की गईं।

राहुल गांधी ने कहा, चुन-चुनकर ख़ास वर्गों और कांग्रेस समर्थक बूथों के वोट काटे गए। जहां भाजपा को हार दिखती है, वहां मतदाता ही सिस्टम से ग़ायब कर दिए जाते हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेलवे ट्रैक पर विस्फोट, मालगाड़ी का लोको पायलट घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में सरहिंद स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के एक हिस्से पर हुए मामूली विस्फोट में मालगाड़ी का लोको पायलट घायल हो गया, जबकि ट्रेन के इंजन को भी आंशिक क्षति पहुंची है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात करीब पौने 10 बजे हुई जब मालगाड़ी सरहिंद स्टेशन से चार-पांच किलोमीटर दूर स्थित खानपुर गांव के पास से गुजर रही थी। यह रेलवे ट्रैक विशेष रूप से मालगाड़ियों के लिए है।

घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे रोपड़ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नानक सिंह ने कहा, ''बीती रात एक मामूली विस्फोट की सूचना मिली थी। कई जांच दल मौके पर पहुंच चुके हैं और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय किया जा रहा है। हम अपनी विशेष टीम भेजने वालीं अन्य एजेंसियों के संपर्क में हैं।

डीआईजी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है और न ही बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''लोको पायलट के चेहरे पर मामूली चोट आई है और वह खतरे से बाहर है।

भारत की पहचान विविधता में एकता पर आधारित : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को यहां आदिवासी समूहों के साथ बंद कमरे में हुई बातचीत के दौरान 'विविधता में एकता' के महत्व पर जोर दिया। उनसे बातचीत करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू धर्म किसी विशेष पूजा पद्धति का नाम नहीं, बल्कि एक साथ रहने का एक तरीका है।

आरएसएस के एक बयान में भागवत के हवाले से कहा गया है, ''भारत की पहचान विविधता में एकता पर आधारित है। पूजा पद्धति के तरीके भले ही भिन्न हों, लेकिन सभ्यता के मूल मूल्य एक समान रहते हैं। दशकों के अनुभव और चिंतन के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि समाज को सामूहिक रूप से काम करना चाहिए, क्योंकि तमाम विविधताओं के बावजूद हम मूलतः एक हैं।'' उन्होंने कहा कि 'हिंदू' शब्द बाद में सामने आया, लेकिन इसका सार 'जल, जंगल और खेती' में निहित है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वेद और उपनिषद दर्शन की उत्पत्ति प्रकृति के साथ इसी संबंध से हुई है, और अथर्ववेद विविधता के प्रति सम्मान के विचारों को प्रतिबिंबित करता है, जहां धरती माता सभी चीजों का पोषण करती है और सभी भाषाओं का सम्मान किया जाता है। भागवत ने 'जनजातीय संवाद' कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समूहों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को सुना, जिनमें धर्मांतरण, पेसा नियमों में कथित खामियां और सूची से नाम हटाना शामिल थे।

आदिवासी मुद्दों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की समस्याएं पूरे देश की समस्याएं हैं।

भागवत ने आश्वासन दिया कि आदिवासी समुदाय की चिंताओं को प्रधानमंत्री तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान खोजने के प्रयास किए जाएंगे।

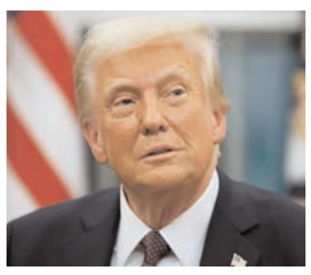

ट्रंप ने चीन के साथ नए व्यापार समझौते को लेकर कनाडा पर 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी दी

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनका पड़ोसी देश चीन के साथ अपने व्यापार समझौते पर आगे बढ़ेगा, तो ऐसा किया जाएगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ''सोचते हैं कि वह कनाडा को चीन के अमेरिका में सामान और उत्पाद भेजने का एक माध्यम बनाने जा रहे हैं, तो वह बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं।'' गौरतलब है कि ट्रंप ने पिछले एक साल से व्यापार युद्ध छेड़ रखा है और कनाडा ने इस महीने चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर शुल्क कम करने के लिए एक समझौते पर बातचीत की। इसके बदले में चीन, कनाडा के कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा। ट्रंप ने शुरुआत में कनाडा और चीन के बीच इस समझौते को सही ठहराते हुए कहा था कि कार्नी के लिए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना एक अच्छी बात है।

रिहर्सल

शनिवार को नागपुर में गणतंत्र दिवस परेड 2026 की रिहर्सल के दौरान एनसीसी कैडेट्स मार्च करते हुए।

हिंदी सिनेमा जगत में सभी धर्मों के लोगों को मिलते हैं काम के अवसर : अरुण गोविल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अभिनेता एवं राजनेता अरुण गोविल ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग जगत विविधता का एक जीता-जागता उदाहरण है, जहां सभी धर्मों और पृष्ठभूमियों के लोगों को काम के अवसर मिलते हैं।

गोविल ने यह प्रतिक्रिया हिंदी सिनेमा में सांप्रदायिक पूर्वाग्रह के बारे में संगीतकार ए.आर. रहमान की हालिया टिप्पणी के जवाब में दी है।

ऑस्कर विजेता संगीतकार रहमान ने हाल ही में बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि पिछले आठ वर्षों में हिंदी फिल्म उद्योग में उन्हें काम के कम अवसर मिले हैं। रहमान ने इसके लिए सांप्रदायिकता को जिम्मेदार ठहराया था।

गोविल ने दिलीप कुमार, शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे अभिनेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग समावेशिता को बढ़ावा देता है। अरुण गोविल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारे हिंदी फिल्म उद्योग में ऐसा कभी नहीं हुआ है कि सांप्रदायिक भेदभाव के कारण लोगों को काम न मिला हो। हालांकि, फिल्म जगत में इसके उदाहरण मौजूद हैं। हमारे फिल्म जगत में हर धर्म के लोग काम करते आए हैं। आज भी ऐसी कोई बात नहीं है। वास्तव में, फिल्म उद्योग ही एकमात्र ऐसा उद्योग है जहां सांप्रदायिक भेदभाव नहीं है। उन्होंने कहा, पहले दिलीप कुमार जैसे अभिनेता थे, वो अपने समय में फिल्म जगत के बादशाह थे। आज भी शाहरुख, सलमान, आमिर जैसे फिल्मस्टार हैं।

युवाओं को हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि ऐसे वक्त जब दुनिया अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, तब भारत के युवाओं को मजबूत रहना चाहिए एवं हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों के एक समूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ''कठोर कार्रवाई'' के बारे में भी बात की और उनसे (कैडेटों से) ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

सिंह ने एनसीसी कैडेटों को देश की दूसरी रक्षा पंक्ति बताया। उन्होंने कहा, ''भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में स्थित आतंकी ढांचों को नष्ट कर दिया, जो पहलगाम में हुए दुर्भाग्यपूर्ण और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब था।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारे सैनिकों ने साहस और संयम से काम लिया। हमने केवल उन्हीं को निशाना बनाया और नष्ट किया, जिन्होंने हमें नुकसान पहुंचाया, किसी और को नहीं। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि वे (हमारे सैनिक) शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं।''

सिंह ने युवाओं का वर्णन महाभारत के अभिमन्यु के रूप में किया, जो किसी भी प्रकार के 'चक्रव्यूह' में प्रवेश करना और उससे विजयी होकर निकलना जानता था।

बाकी राज्यों में भी शीघ्र कराया जाएगा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि शेष राज्यों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण जल्द ही शुरू किया जाएगा, क्योंकि 'शुद्ध' मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है।

निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर कुमार ने कहा कि वर्तमान में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पुनरीक्षण प्रक्रिया 'सुचारू रूप से' संचालित की जा रही है। आयोग का स्थापना दिवस राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा,'' निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसी उद्देश्य से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और प्रत्येक अपात्र नाम को हटा दिया जाए।''

कुमार ने बताया कि बिहार में यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है और असम में मतदाता सूचियों का 'विशेष पुनरीक्षण' अलग से जारी है। उन्होंने कहा, ''इसे (एसआईआर) जल्द ही शेष राज्यों में किया जाएगा।'' कुमार ने कहा, ''बिहार में एसआईआर की सफलता का सबसे ठोस प्रमाण यह था कि अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ एक भी अपील दायर नहीं की गई, जिससे इसकी पवित्रता और विश्वसनीयता स्थापित हुई।''

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 'इस मजबूत आधार' पर कराया गया चुनाव ऐतिहासिक साबित हुआ, जिसमें 1951 के बाद से सबसे अधिक 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ तथा महिला मतदाताओं की भागीदारी दर अभूतपूर्व रूप से 71.78 प्रतिशत रही।

सहज स्मृति योग

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मेरी शिक्षा अंग्रेजी मीडियम से हुई है इसलिए मेरे अनुभव में शब्द अंग्रेजी में ही आते हैं इसलिए अंग्रेजी में ही लिख रही हूँ। मैं जानना चाहती हूँ कि कमिटमेंट और ट्रस्ट में क्या अंतर है और, टोटल प्रजेंस से इनका सम्बन्ध है क्या और है तो कैसे और कैसा है?

उत्तर: प्रतिबद्धता(कमिटमेंट) एक जीवित मनुष्य द्वारा दूसरे जीवित मनुष्य के प्रति व्यवहार में प्रकट होती है इसको मूर्तमान करने की भूमि (क्षेत्र) और अंतिम परिणति या अंतिम अवस्था या अंतिम सीमा भी यही है। अपने अंदर ऑनेस्टी का भाव/इंटेंशन, एमोशंस की शुद्धता और इंटेंसिटी और विचारों में यथा समर्थ और यथा संभव स्पष्टता ही इसे परिभाषित करते हैं। प्रतिबद्धता में व्यक्ति प्रधान होते हैं, यह आदर्शों या विचारों के प्रति प्राथमिक नहीं होती जबकि, भरोसा (ट्रस्ट) गुणों, मूल्यों, आदर्शों, विचारों और ज्ञात-उदात्त व अज्ञात-उदात्त भावों में आत्मानुशासित हो श्रद्धा पूर्वक समर्पित होने पर जो कृतकृत्यता की अवस्था प्राप्त होती है उसको कहते हैं। भरोसा असाधारण अवस्था है। अंग्रेजी के शब्दों में कहूँ तो वह बिलीफ़ और फ़ेथ नहीं है। वह अत्यंत बृहत अवस्था है इतनी बृहत कि बिलीफ़ और फ़ेथ उसमें समा सकते हैं विसर्जित हो सकते हैं। दोनों में यही मूल सूक्ष्म अंतर है स्थूल अंतर अनेक हैं। प्रतिबद्धता का जीवित उदाहरण आपको किसी भी उस मैत्री या दाम्पत्य सम्बन्ध में मिल सकता है जो आदर्श या मर्यादित हो। भरोसे का उदाहरण गुरु-शिष्य सम्बन्ध में ही सम्भव है। परिपूर्णता (टोटल प्रजेंस) वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति चलने-फिरने, सोने-जागने, खाने-पीने, बोलने-मौन रहने आदि जगत या सृष्टि भाव की स्वप्नवत हो रही क्रियाओं से परे अस्तित्वगत या समाधिस्थ हो जाता है। इन तीनों में परस्पर सम्बन्ध होना भी संभव है और नहीं होना भी सम्भव है।

रोजगार मेला

जम्मू के पलौरा में बीएसएफ कैंप में 'रोज़गार मेले' के दौरान मिले अपने अपॉइंटमेंट लेटर के साथ रिक्रूट पोज़ देते हुए लाभार्थी।

कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम भारत-फ्रांस के बीच सेतु बन सकते हैं : 'एलायंस फ्रांसेज' के निदेशक

अहमदाबाद/भाषा। कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम भारत-फ्रांस की संस्कृतियों के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। 'एलायंस फ्रांसेज' के निदेशक इमैनुएल बोटियाउ ने शनिवार को यहां यह बात कही।

भारत में फ्रांसीसी दूतावास ने 'एलायंस फ्रांसेज' (अहमदाबाद में भारत-फ्रांसीसी भाषा और सांस्कृतिक केंद्र) के सहयोग से, प्रदर्शन कलाओं में संवाद को बढ़ावा देने की अपनी सतत प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में 'एलिवेशन' नामक एक कला कार्यक्रम का आयोजन किया है। 'एलायंस फ्रांसेज' के निदेशक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''दो संस्कृतियों के बीच सेतु बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम फ्रांसीसी और भारतीय संस्कृति के बीच एक सेतु बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, क्योंकि इसके एक प्रदर्शन में भारतीय कला मलखंब के माध्यम से अंतर-सांस्कृतिक संवाद प्रस्तुत किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''इस विशेष अंतर-सांस्कृतिक प्रदर्शन के द्वारा हमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण सकारात्मक संदेश देना है, खासकर आज के इस कठिन दौर में। मेरा मानना है कि कला और संस्कृति यह कर सकती हैं।'' बोटियाउ ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का फरवरी में भारत दौरा प्रस्तावित है, और 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार का वर्ष घोषित किया गया है।

देशभर में अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए: हरदीप सिंह पुरी

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि 'रोजगार मेला' पहल की शुरुआत से लेकर अब तक देशभर में 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की युद्ध स्तर पर भर्ती किए जाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।पुरी ने भारत के मजबूत विकास दृष्टिकोण, वैश्विक स्तर पर देश की बढ़ती साख और विनिर्माण, निर्यात, माल ढुलाई, नवीकरणीय ऊर्जा तथा डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में हो रहे विस्तार को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा शक्ति के माध्यम से 'विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए देशभर में 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेलों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर 61,000 से अधिक नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। विकास की समावेशी प्रकृति पर जोर देते हुए पुरी ने कहा, हम केवल विकास के पीछे नहीं भाग रहे हैं, बल्कि समाज में समावेशी प्रगति सुनिश्चित कर रहे हैं।

वार्षिक ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेपी नगर रागीगुड़ा स्थित सूर्यनारायण मंदिर पर शनिवार को वार्षिक ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने सूर्यनारायण मंदिर पर वार्षिक ध्वजारोहण किया। इस मौके पर सुनील शर्मा ने कहा कि मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण भगवान की सर्वोच्च उपस्थित, विजय और शक्ति का प्रतीक है। सूर्य मंदिर वर्षगांठ के अवसर पर मंदिर में प्रातः हवन, अनुष्ठान, पूजा-अर्चना तथा भगवान की आकर्षक पोषाक व आंगी सजाई गई। मुख्य ध्वजा के लाभार्थी सुनील शर्मा, संतोष शर्मा, चंद्रा शर्मा ने जय भास्कर के जयकारों के बीच ध्वजारोहण किया। इस मौके पर समाज के लोग उपस्थित थे।

सरस्वती पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नवदुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा वसंत पंचमी के प्रसंग पर कामाक्षीपाल्या स्थित आरएनएम कन्वेंशन हॉल में मां सरस्वती पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विद्या, विवेक, बुद्धि, कला, संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा आराधना की। स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अपने वक्तव्य में कहा कि देवी मां की कृपा केवल उन्हें प्राप्त होती है जिन्हें अपने माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त है।

बसवनगुड़ी के विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी का ध्वजारोहण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में विमलनाथ जिनालय, यंत्र मंदिर एवं दादावाड़ी के प्रांगण में 21वां ध्वजारोहण मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी एवं साध्वीश्री धर्मरुचिताश्रीजी की निश्रा में हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत किया। अमर ध्वजा को लाभार्थी परिवार संघवी तेजराज, कुशलराज गुलेच्छा के निवास स्थान से चतुर्विध संघ के साथ हर्षोल्लास के साथ लाया गया। विधिकारक रोहितगुरु के मार्गदर्शन में और जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा सत्तरभेदी पूजा की गई। लाभार्थी परिवार ने शुभ मुहूर्त में मंदिर शिखर पर ध्वजा लहराई गई। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि जैन मंदिर में ध्वजारोहण करना धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत फलदायी माना जाता है। यह सौभाग्य, सुख, समृद्धि में वृद्धि, यश कीर्ति का प्रसार और पुण्य का संचय करती है। ध्वजारोहण के कार्यक्रमों में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा महिला सेवा मंडल द्वारा व्यवस्था सहयोग प्राप्त हुआ। ध्वजारोहण के उपलक्ष्य में लाभार्थी परिवार के साथ अनेक सदस्यों ने जीवदया का लाभ लिया। कार्यक्रम में दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, संघवी विजयराज डोसी, धर्मेन्द्र संकलेचा, प्रकाश भंसाली, राजेन्द्र गुलेच्छा, ललित डाकलिया के साथ ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

त्रिदिवसीय योगक्षेम अणुव्रत संगठन यात्रा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना संभाग के सिकंदराबाद, विजयवाड़ा, राजमुंदरी, काकीनाड़ा विजयनगरम एवं विशाखापत्तनम में योगक्षेम अणुव्रत संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। संगठन यात्रा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, राज्य प्रभारी आलोक डागा, विमल बैद संयोजक एवं स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति थी। बोराणा ने अणुव्रत के वर्तमान व भविष्य के आयामों पर पर जानकारी देते हुए उन्होंने नैतिक शुद्धता, आत्मसंयम, सामाजिक समरसता, नशा-मुक्ति, अहिंसा, पर्यावरण संरक्षण व सेवाभाव पर विशेष बल दिया। राजेश चावत द्वारा चेतना जागरण को संगठन का मूल उद्देश्य बताया तथा जीवन-विज्ञान व अणुव्रत को महिलाओं व युवाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। उपस्थित जनों ने अणुव्रत को जन-आंदोलन बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

'ग्रो टू ग्रेटनेस' की सोच के साथ जेबीएन व्यापार की बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर अचीवर्स द्वारा 'व्यवसाय की बैठक' का आयोजन किया जिसका थीम 'ग्रो टू ग्रेटनेस-स्माल स्टेप बिग सक्सेस' था। इस विशेष आयोजन में शार्क टैंक इंडिया और पिच टू गेट रिच जैसे मंचों के बाद ब्रांड्स की ग्रो पर विस्तृत पैनल चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बनाना क्लब के संस्थापक नील बाफना और चेतन सियाल ने अपने ब्रांड्स की विकास यात्रा, मार्केटिंग रणनीतियों, फंडिंग के बाद की चुनौतियों और स्केल-अप के अनुभव साझा किए।

पैनल चर्चा का संचालन मयंक नागोरी व राहुल चोपड़ा ने किया। कार्यक्रम में रेफ़रल हेड जितेन्द्र खिमुसरा, रेफरल लीड ध्वज छाजेड़ एवं रेफ़रल सेक्रेटरी राज नागौरी सहित जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया, केकेजी ज़ोन संयोजक तुषार बाफना एवं जेबीएन संयोजक विजय मेहता उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन(आईवीएफ)के सदस्यों ने शनिवार को बेंगलूरु प्रवास पर आए भीलवाड़ा के सांसद दामोदर अग्रवाल से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। आईवीएफ के बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सांसद का परिचय दिया। आईवीएफ की के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल, कर्नाटक प्रदेश के अध्यक्ष आरपी रविशंकर, कार्यकारी अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष डॉ वासुदेव सारड़ा आदि ने सांसद से मुलाकात की।

धार्मिक-आध्यात्मिक अनुष्ठान का दिन है वसंत पंचमी : साध्वीश्री संयमलता

होसकोटे/दक्षिण भारत। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में ज्ञानवर्धक अनुष्ठान का आयोजन होसकोटे में एक श्रद्धालु के निवास पर किया गया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि बसंत पंचमी धार्मिक-आध्यात्मिक अनुष्ठान का दिन है, सरस्वती की आराधना का पर्व है। इस दिन मंत्रों का उच्चारण विशेष शक्ति प्रदान करता है। मंत्र से मन की शांति सकारात्मकता का विकास होता है। मंत्र आनंददायक मंगलप्रदायक है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने वसंत पंचमी के महत्व को बताया। मंत्र बच्चों में मेमोरी पावर को बढ़ाने वाले होते है। जीवन में मंत्रों का उच्चारण करते रहें जिससे जीवन में तनावरहित होकर शांति को स्थापित कर सकें।

ध्यान, मौन एवं स्वाध्याय से प्राप्त ऊर्जा का करें सदुपयोग : डॉ वरुणमुनि

गोवा/दक्षिण भारत। राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, वरुणमुनिजी, रूपेशमुनिजी का मडगांव स्थित जैन स्थानक में मंगलमय प्रवास हुआ। गुरुदेव ने वसंत पंचमी के पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि जैसे शीत ऋतु में प्रकृति भीतर से शांत रहती है, वैसे ही हमें भी ध्यान की गहराई में उतरकर मौन साधना करनी चाहिए। जिस प्रकार वसंत ऋतु इस बात का संकेत है कि प्रकृति द्वारा संचित ऊर्जा अब प्रकट होने का अवसर है। इसी प्रकार ध्यान, मौन एवं स्वाध्याय से हमारे भीतर जो ऊर्जा एकाग्र होती है, उसे समाज के कल्याण एवं उत्थान में लगाना चाहिए। मां भगवती सरस्वती की आराधना श्रद्धा से की जाती है। सरस्वती का अर्थ है ज्ञान, अतः अपने भीतर आत्मज्ञान को जगाना ही वास्तविक सरस्वती पूजा है। गुरुदेव ने कहा कि जीवन में प्रेम, मधुरता, स्नेह एवं सद्भाव का संगीत होना चाहिए। उनके हाथों में पुस्तक यह संकेत देती है कि केवल संसार की पुस्तकों का ही नहीं, बल्कि स्वयं की जीवन-पुस्तक का भी अध्ययन करें और उसे सुंदर ढंग से सजाने-संवारने का प्रयास करें। रूपेश मुनि जी ने मधुर गुरु-भक्ति गीत प्रस्तुत किया तथा पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

तेलंगाना के एक गांव में 300 आवारा कुत्तों को मार डाला, सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में आवारा कुत्तों को कथित तौर पर जान से मारने की एक और घटना सामने आई है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का दावा है कि जगित्याल जिले में करीब 300 कुत्तों को मार दिया गया।कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि हालिया घटना के बाद राज्य में अब तक इस तरह की घटनाओं में मारे गए कुत्तों की संख्या 900 तक पहुंच गई है।आरोप है कि कुत्तों को मारने का यह कृत्य सरपंच समेत कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के इशारे पर किया गया है। कहा जा रहा है कि दिसंबर में हुए ग्राम पंचायत चुनावों से पहले ग्रामीणों से किए गए वादों के तहत आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए यह कदम उठाया गया।

ताजा मामला 22 जनवरी को पेगाडापल्ली गांव से सामने आया, जहां शिकायत दर्ज कराई गई कि 300 आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मार दिया गया।

शिकायत में गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को इस जघन्य कृत्य के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोप लगाया गया है कि सरपंच ने आवारा कुत्तों को मारने के लिए कुछ लोगों को यह काम सौंपा था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आगामी वर्षीतप आराधकों का पंजीकरण प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 11 मार्च से वर्षीतप आराधना प्रारंभ करने वाले तपस्वियों का पंजीकरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। समणी निदेशिका डॉ सुयशनिधिश्रीजी व डॉ सुयोगनिधिश्री का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि अब तक 85 तपस्वियों के आवेदन आ चुके हैं। इस वर्ष आचार्य पार्श्वचंद्रजी एवं स्थानकवासी समणी मार्ग प्रणेता पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में बेंगलूरु के 160 तपस्वियों सहित विभिन्न राज्यों के कुल 400 से अधिक वर्षीतप आराधकों का पारणा संपन्न होगा। समिति के राजेन्द्रकुमार नाहर, उत्तमचंद कोठारी, महेन्द्रकुमार चोरड़िया, रोशनलाल नाहर, रमेशचंद गुगलिया, गुलाबचंद पगारिया ने तपस्वियों का आभार जताया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा में अभिभाषण न पढ़कर अपने पद का अपमान किया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्यपाल आर. एन. रवि ने विधानसभा सत्र की शुरुआत में अभिभाषण न पढ़कर अपने पद का ''अपमान'' किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले के राज्यपाल आरएन रवि जैसे नहीं थे और मुझे उनकी आलोचना करने पर विवश होना पड़ रहा है''

स्टालिन ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के उत्तर में कहा, ''मैं ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा हूं जो पूर्व मुख्यमंत्रियों सी. एन. अन्नादुरई, एम. करुणानिधि, एम. जी. रामांद्रन और जे. जयललिता के कार्यकाल में नहीं देखी गई...राज्यपाल (रवि) विधानसभा सत्र की शुरुआत में अभिभाषण न पढ़कर और सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने पर जोर देकर अपने पद का अपमान कर रहे हैं। राज्यपाल आरएन रवि ने मंगलवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन राज्य सरकार द्वारा तैयार परंपरागत अभिभाषण देने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि अभिभाषण के पाठ में असत्य या गलतियां हैं। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु ने भाषण का तमिल संस्करण पढ़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा में हमेशा राज्यपाल के अभिभाषण के समापन पर राष्ट्रगान बजाया जाता है और सत्र की शुरुआत में तमिल थाई वजथु (तमिल माता की स्तुति) बजाया जाता था।'' स्टालिन ने कहा, ''देशभक्ति में हम किसी से कम नहीं हैं और किसी को जरूरत नहीं है कि वह हमें इसके बारे में समझाए। चुनौतियों का सामना करना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है और मैंने कई चुनौतियों को पार किया है। राज्य में अपराध के आंकड़ों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन में आपराधिक घटनाएं पहले के ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) शासन की तुलना में कम हैं।'' धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों में यह एम. के. स्टालिन जनता के लिए जिया है, उसकी भलाई के लिए योजनाएं बनाई हैं तथा तमिलनाडु का समग्र विकास किया है। यह एक तथ्य है। मैं समझ सकता हूं कि विपक्षी दल इसे सहन नहीं कर पा रहे हैं। स्टालिन के उत्तर पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने मेज थपथपाकर समर्थन दिया। राज्यपाल के विधानसभा से 'वॉकआउट' को अजीब बताते हुए स्टालिन ने कहा कि जिस राज्य के कल्याण के लिए राज्यपाल को काम करना चाहिए, वही राज्यपाल राज्य और जनता के लिए काम करने वाली निर्वाचित सरकार के खिलाफ आारण कर रहे हैं उन्होंने कहा, यह कदम न केवल उनके पद का अपमान है, बल्कि एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर रहते हुए भारत के संविधान की गरिमा को ठेस पहुंचाने के समान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से राज्यपाल बार-बार इसी आधार पर विधानसभा से 'वॉकआउट' कर रहे हैं और जनता द्वारा चुनी गई सरकार के तैयार किए गए भाषण को पढ़े बिना सदन छोड़ देते हैं उन्होंने कहा कि विधानसभा को इसे लोकतंत्र के लिए चुनौती के रूप में देखना चाहिए। स्टालिन ने कहा, ''यह करोड़ों लोगों द्वारा चुनी गई सरकार है और यह सरकार करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाली सरकार है। राज्यपाल द्वारा बार-बार यह आरोप लगाए जाने पर कि सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान नहीं बजाया गया, मुख्यमंत्री ने कहा, हमें इस देश के प्रति अपार सम्मान है और हम पूरी तरह देशभक्त हैं। इस विधानसभा के सदस्यों की ओर से मैं राज्यपाल से दृढ़ता से कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति में हम किसी से कम नहीं हैं। हमें देशभक्ति की सीख देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग लोकतांत्रिक राष्ट्र की संवैधानिक गरिमा को तानाशाही स्वरूप देना चाहते हैं, वे आज के संदर्भ में राष्ट्रविरोधी हैं और जनता उन्हें अच्छी तरह पहचानती है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था, लेकिन परिस्थितियों के कारण उन्हें राज्यपाल को स्पष्टीकरण देना पड़ा। उन्होंने इसे ऐसा संकट बताया, जिसका सामना कभी पूर्व मुख्यमंत्रियों ने अपने कार्यकाल में नहीं किया।

स्टालिन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए पेंशन, सेवानिवृत्ति लाभों में वृद्धि की घोषणा की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मध्याह्न भोजन के आयोजकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पंचायत सचिवों की पेंशन राशि को प्रतिमाह 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,400 रुपये करने की घोषणा की। स्टालिन ने बताया कि उनकी सेवानिवृत्ति पेंशन को भी मौजूदा एक लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते कहा कि मध्याह्न भोजन के आयोजकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की पारिवारिक पेंशन क्रमशः 1,200 रु. और 1,100 रु. प्रतिमाह कर दी गई है।

इसके अलावा, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की पेंशन को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,200 रुपये कर दिया गया है तथा उनकी सेवानिवृत्ति पेंशन को भी दोगुना कर दो लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी सहायकों, रसोइयों, खाना पकाने के सहायकों और सफाईकर्मियों की पेंशन 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दी जाएगी तथा उनके सेवानिवृत्ति लाभ 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिए जाएंगे। हाल ही में मध्याह्न भोजन के आयोजकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने वेतन वृद्धि एवं अन्य लाभों की मांग को लेकर हड़ताल की थी, जिसके मद्देनजर मुख्यमंत्री की यह घोषणा की। वर्तमान में, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 33.6 लाख वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, विधवाएं, किसान, कृषि मजदूर, 50 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित महिलाएं और अकेली रह रही महिलाएं पेंशन प्राप्त कर रही हैं।

चेन्नई सहित तमिलनाडु के सात जिलों में येलो अलर्ट, भारी बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी), चेन्नई की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार चेन्नई सहित तमिलनाडु के सात जिलों के लिए शनिवार को 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया कि दक्षिणी भारत में निचले वायुमंडलीय सर्कुलेशन के कारण बारिश होने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ जगहों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु के अंदरूनी इलाकों में भी एक या दो जगहों पर ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने खास तौर पर चेतावनी दी है कि शनिवार को चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम और कुड्डालोर जिलों में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। लिहाजा, इन इलाकों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। स्थानीय लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, खासकर निचले और जलभराव वाले इलाकों में। इस बीच, मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए समुद्री चेतावनी जारी की है। विभाग ने उनसे बहुत ज्यादा सावधानी बरतने का आग्रह किया है। एडवाइजरी के अनुसार, शनिवार और रविवार को तमिलनाडु तट, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन सागर में 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। मछुआरों को इस दौरान समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। मौसम की स्थिति पर अपडेट देते हुए आईएडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव, जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा था, शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे कमजोर होकर दबाव में बदल गया। हालांकि, मौजूदा एटमॉस्फेरिक स्थितियों के साथ मिलकर, वीकेंड में तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश के पैटर्न पर असर पड़ने की उम्मीद है। अधिकारियों ने लोगों से ऑफिशियल मौसम बुलेटिन से अपडेट रहने और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों द्वारा जारी सेफ्टी एडवाइजरी को फॉलो करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु में एनडीए को मिलेगा मजबूत जनादेश : प्रेम शुक्ला

चेन्नई/नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद तमिलनाडु की राजनीति उबाल पर है। सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस पार्टी दावा कर रही हैं कि तमिलनाडु में एनडीए गठबंधन का कोई असर नहीं होगा। इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए कहा है कि तमिलनाडु के संकेत गवाही देते हैं कि एनडीए को मजबूत जनादेश मिलेगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा, तमिलनाडु में डीएमके सरकार के खिलाफ जिस तरह से लोगों में भारी गुस्सा है, उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को मजबूत जनादेश मिलेगा। तमिलनाडु से आ रहे तमाम संकेत इस बात की गवाही देते हैं। इसी बीच, प्रेम शुक्ला ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आरोपों पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, एमके स्टालिन की पार्टी के नेता देश में नफरत फैला रहे हैं। उनका बेटा भी यही कर रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि नफरत फैलाने के लिए उनके बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया जाना चाहिए। वे अपने बेटे उदयनिधि को नफरत फैलाने की दुकान से बाहर निकालने का काम करें। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने एक बयान में कहा कि तमिलनाडु में भाजपा का डबल इंजन नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी की रैली के बाद एमके स्टालिन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री जिस डबल इंजन की बात करते हैं, वह तमिलनाडु में नहीं चलेगा। तमिलनाडु ने एकजुट भाजपा सरकार की बनाई सभी रुकावटों को तोड़कर ऐतिहासिक विकास किया है।

'शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है एआई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा है कि यदि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का प्रार लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों के अनुरूप किया जाए तो यह शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है विजयन ने केरल क्षेत्रीय 'एआई इम्पेक्ट सम्मेलन' के समापन सत्र का उद्घाटन करने के बाद शुक्रवार को एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। विजयन ने पारदर्शिता, दक्षता और जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रशासन में एआई को एकीकृत करने के राज्य सरकार के दृष्टिकोण की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। इस सम्मेलन का आयोजन इंडिया एआई मिशन द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''एआई जनता की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवाओं को अधिक उत्तरदायी बनाने में मदद कर सकता है, साथ ही किफायती स्वास्थ्य सेवा, युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर और नवाचार-संचालित विकास के रास्ते भी खोल सकता है।'' मुख्यमंत्री ने के-एफओएन, केरल स्टार्टअप मिशन और डिजिटल विश्वविद्यालय जैसी पहलों को राज्य में प्रौद्योगिकी आधारित शासन के प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में उजागर कियाा हालांकि, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई तकनीकों को अपनाते समय डेटा सुरक्षा और गोपनीयता महत्वपूर्ण िंताएं हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए।

इस सम्मेलन में नीति निर्माता, एआई शोधकर्ता, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख, स्टार्टअप और निवेशक शामिल हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत भारत एआई मिशन की मुख्य परिचालन अधिकारी कविता भाटिया ने कहा कि अगले महीने नई दिल्ली में आयोजित होने वाला भारत एआई शिखर सम्मेलन-2026 एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

तिरुवनंतपुरम से मंगलूरु : महिला टीम ने अमृत भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई। अमृत भारत एक्सप्रेस (ट्रेन सं. 16329) अपनी यात्रा के पहले चरण में तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से मंगलूरु जंक्शन तक पूरी तरह से महिला टीम द्वारा संचालित की गईा इसे शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया थाा तिरुवनंतपुरम से शोरानूर तक की उद्घाटन यात्रा लोको पायलट टीजे गोरेथी, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट अस्वथी बालांद्रन और ट्रेन प्रबंधक गीता की टीम द्वारा संचालित की गई।

लोको सं. 30079/30089 की शक्ति के तहत संचालित इस टीम ने एक सहज और समयनिष्ठ यात्रा सुनिश्चित की, जिससे दक्षिण रेलवे की आधुनिक महिला कार्यबल की तकनीकी दक्षता और परिचालन सटीकता प्रदर्शित हुई। अमृत भारत एक्सप्रेस को 'पुश-पुल' तकनीक के साथ डिज़ाइन किया गया है, जिसमें तेज़ एक्सलरेशन और यात्रा समय में कमी के लिए दोनों तरफ लोकोमोटिव लगाए गए हैं जहां उद्घाटन विशेष सेवा तिरुवनंतपुरम से मंगलूरु तक चली, वहीं नियमित सेवा जल्द ही शुरू होने वाली है, जो नागरकोइल को मंगलूरु से जोड़ेगी और क्षेत्र के यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत सुविधाएं देगी। अमृत भारत एक्सप्रेस को पूरी तरह महिला टीम द्वारा संालित किया जाना क्षमता और प्रगति का एक सशक्त संदेश देता है।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री से वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के ऋण माफ करने का अनुरोध किया

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से पत्र लिखकर वायनाड में मुंडक्कई-चूरलमाला आपदा के पीड़ितों द्वारा लिए गए ऋणों को माफ करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। पार्टी ने यह जानकारी दी। बयान में कहा है कि कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री से आपदा राहत कार्यों के लिए राज्य को दिए गए ऋणों को अनुदान में परिवर्तित करने का भी आग्रह किया है।

पार्टी ने कहा है कि मुंडक्कई-चूरलमाला भूस्खलन के संबंध में वायनाड को कोई केंद्रीय सहायता नहीं मिलने के बाद, केरल के सभी सांसदों ने दिसंबर 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। फरवरी 2025 में प्रियंका ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह बताया था कि भूस्खलन के छह महीने बाद पुनर्वास के लिए ऋण के रूप में धन उपलब्ध कराना अन्यायपूर्ण और अमानवीय था। उन्होंने प्रधानमंत्री से आपदा में अपनी आजीविका खो चुके जीप और ऑटो रिक्शा चालकों, छोटे व्यापारियों और होमस्टे संचालकों के ऋण माफ करने का भी अनुरोध किया था।

भारतीय तटरक्षक बल के 50वें स्थापना दिवस पर निकाली गई मोटरसाइकिल रैली चेन्नई पहुंची

चेन्नई। तटरक्षक बल द्वारा आयोजित मोटरसाइकिल अभियान शनिवार को चेन्नई में समाप्त हुआ। तटरक्षक बल के 50वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित यह पांच दिवसीय अभियान तूतीकोरिन और विशाखापत्तनम से एक साथ चेन्नई के लिए रवाना हुआ था। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 1,500 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस रैली को विशाखापत्तनम से आंध्र प्रदेश तटरक्षक जिला कमांडर, उप महानिरीक्षक राजेश मित्तल और तूतीकोरिन से सीमा शुल्क आयुक्त, आईआरएस विकास नायर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह काकीनाडा, विजयवाड़ा, निजामपटनम, कृष्णापटनम, मंडपम, कराईकल और पुडुचेरी समेत प्रमुख तटीय स्थलों से होकर गुजरा, जिसमें चेन्नई स्थित तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) के तहत 50 तटरक्षक कर्मियों ने हिस्सा लिया।

'पार्टी लाइन' का कभी उल्लंघन नहीं किया, ऑपरेशन सिंदूर पर अपने रुख पर खेद नहीं : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। कांग्रेस नेता एवं सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में पार्टी के घोषित रुख का कभी उल्लंघन नहीं किया और किसी भी आंतरिक मतभेद पर संगठन के भीतर ही चर्चा की जानी चाहिए, न कि मीडिया के माध्यम से। कुछ खबरों में दावा किया गया है कि थरूर के पार्टी नेतृत्व से मतभेद हैं और वह इस बात से ''आहत'' हैं कि राहुल गांधी ने हाल में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान मां पर उनके मौजूद होने के बावजूद उनके नाम का उल्लेख नहीं किया तथा राज्य के नेताओं द्वारा बार-बार उन्हें ''दरकिनार'' करने की कोशिश की जा रही है

थरूर ने कहा, ''मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें मुझे सार्वजनिक मां पर नहीं बल्कि अपनी पार्टी के नेतृत्व के समक्ष उठाना होगा... मैं संसद सत्र के लिए दिल्ली जाऊंगा और मुझे विश्वास है कि मुझे पार्टी नेतृत्व के सामने अपनी चिंताओं को स्पष्ट रूप से रखने और उनका दृष्टिकोण जानने का अवसर मिलेगा... मुझे उचित तरीके से बातचीत करने का मौका मिलेगाा'' उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''मैं पिछले 17 साल से कांग्रेस में हूं इस मुद्दे को ज्यादा आगे नहीं बढ़ाते हैं... जहां तक मेरा सवाल है, जो कुछ भी गलत हुआ है, उससे निपटने की जरूरत है और इस पर उचित मांग पर चर्चा की जाएगी।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा के लिए शुक्रवार को राज्य से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की थी लेकिन थरूर इसमें शामिल नहीं हुए थे। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को पार्टी की बैठक में शामिल न हो पाने की अपनी असमर्थता के बारे में सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि उनके बारे में कुछ खबरें सही हो सकती हैं, जबकि अन्य गलत हो सकती हैं। थरूर ने कहा कि वह एक साहित्य उत्सव में भाग लेना चाहते थे और लगातार यात्रा करना उनके लिए मुश्किल था। उन्होंने कहा, ''हालांकि, मैं संसद में पार्टी की सभी गतिविधियों में अवश्य भाग लूंगा और मैं उस समय पार्टी नेतृत्व से मिल सकता हूं।'' थरूर ने कहा कि जिन मामलों पर पार्टी के भीतर चर्चा होनी चाहिए, उन पर आंतरिक रूप से ही बात की जानी चाहिए।

इसरो 2026 में कई उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा : नारायणन

कोयंबटूर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी 2026 में कई उपग्रह प्रक्षेपणों पर काम कर रही है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''हम इस साल कई उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहे हैं। इस दिशा में काफी काम चल रहा है। प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से मुलाकात के बाद हम इनकी घोषणा करेंगे।''

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा था कि भारत और अमेरिका को संयुक्त रूप से अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर काम करना चाहिए। उनकी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर नारायणन ने कहा, कई बड़े मिशन तैयार हैं। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। हम एक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। हम इंसान को चंद्रमा पर भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने की योजना बना रहे हैं। भारत के 60 मित्र देशों के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में मजबूत सहयोग है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग लाभकारी साबित हुए हैं। पीएसएलवी-सी62 रॉकेट के तीसरे चरण के दौरान सामने आई गड़बड़ी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक इसका विश्लेषण कर रहे हैं। जैसा कि मैंने आपको उसी दिन (12 जनवरी को) बताया था, पीएसएलवी रॉकेट चार चरण वाला रॉकेट है।

तिरूपति लड्डू मामला

सीबीआई ने टीटीडी कर्मचारियों, घी आपूर्तिकर्ताओं को आरोपी के रूप में नामित किया

अमरावती/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष टीम ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद के रूप में दिये जाने वाले लड्डु में मिलावटी घी का इस्तेमाल करने के आरोपों की जांच पूरी कर ली है और स्थानीय अदालत में अंतिम आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। एजेंसी ने इसमें तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) कर्मचारियों, कुछ घी आपूर्तिकर्ताओं व अन्य लोगों को आरोपी बनाया है। एक सूत्र ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आरोप पत्र शुक्रवार को नेल्लोर स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत में दाखिल किया गया। विशेष जांच दल ने कई व्यक्तियों और घी आपूर्तिकर्ताओं को आरोपी बनाया। इससे पहले उसने आरोपियों की हिरासत लेने के लिए दाखिल अर्जी में दावा किया था कि मिलावटी घी ताड़ के तेल, ताड़ के बीज के तेल और पामोलिन जैसी सामग्री की मिलावट की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि घी की निम्न गुणवत्ता के साथ-साथ बीटा कैरोटीन, एसिटिक एसिड एस्टर, घी फ्लेवर और अन्य मिलावटों का इस्तेमाल प्रयोगशाला परीक्षण के परिणामों को प्रभावित करने व मिलावटी घी में सुगंध बनाए रखने के लिए किया गया था।

श्रीराम के आदर्शों से रामराज्य की संकल्पना होगी साकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को कोटा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि रामकथा केवल एक कथा नहीं बल्कि जीवन जीने की पाठशाला है। यह हमें बेटे के धर्म, भाई के प्रेम, पति के समर्पण और राजा के कर्तव्य से अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रामराज्य की संकल्पना को साकार कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नदियों, पहाड़ों, वृक्षों और गौ माता को पूजने की परम्परा है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें दिव्य रामकथा का श्रवण करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है। शास्त्री जी की वाणी में वह सहजता है, जो आम आदमी को छू जाती है। वे युवा पीढ़ी को सनातन धर्म की महानता से परिचित करवा रहे हैं।

इस दौरान पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, विधायक श्रीमती कल्पना देवी, संत-महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ओएमआर शीट हेरफेर मामले में भाजपा सरकार की रहस्यमयी चुप्पी चिंताजनक : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षाओं के ओएमआर शीट में हेरफेर करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ होने पर भाजपा सरकार की कथित चुप्पी पर शनिवार को सवाल उठाया। गहलोत ने एक बयान में कहा,राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट बदलने वाले गिरोह के पकड़े जाने के पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन राज्य सरकार की रहस्यमयी चुप्पी चिंताजनक है।' अपनी गत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा, हमारी सरकार ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आजीवन कारावास, 10 करोड़ रुपये का जुर्माना और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसा देश का सबसे सख्त कानून बनाया और बिना किसी भेदभाव के आरपीएससी सदस्य तक को जेल की सलाखों के पीछे भेजकर नजीर पेश की।

उन्होंने कहा-हमने गड़बड़ी मिलने पर कभी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर केवल पूर्ववर्ती सरकारों पर दोष नहीं मढ़ा, बल्कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की। गहलोत ने कटाक्ष करते हुए सवाल उठाया,अब जीरो टॉलरेंस' का दावा करने वाली भाजपा सरकार बताए कि वह अपने कार्यकाल (2024-25) के दौरान हुई परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच करवाने की घोषणा करने से क्यों बच रही है?

राष्ट्र की उन्नति के लिए संस्कारयुक्त शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोरानाडा में शनिवार को 39 बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 22 जनवरी को गार्गी पुरस्कार सहित विभिन्न योजनाओं में प्रदेश की लगभग 3 लाख से अधिक बालिकाओं को 126 करोड़ 81 लाख रुपये की राशि डीबीटी की। उन्होंने कहा कि सत्र 2025-26 में 4 लाख 40 हजार पात्र विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना के अंतर्गत लगभग 53 करोड़ रुपये की राशि भी डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। पटेल ने कहा राष्ट्र की उन्नति के लिए संस्कारयुक्त शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा बच्चे भारत का भविष्य है, इनके सर्वांगीण विकास से ही विकसित भारत का स्वप्न साकार होगा।

पटेल ने कहा शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि उसमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का समावेश आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और विद्यालय बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर अच्छे नागरिक बनाएं। विधि मंत्री ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान किया कि विद्यालय के विकास में सहयोग करें, जिससे शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ हो। विद्यालय के विकास से गांव और समाज की दिशा तय होती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान के बिना आज के युग में प्रगति संभव नहीं है, इसलिए विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना अनिवार्य है।

प्रधानाचार्य राजेश यादव ने बताया कि गार्गी पुरस्कार के लिए गत वर्ष इस विद्यालय की 14 और इस वर्ष 12 बालिकाओं का चयन हुआ है। उन्होंने बताया ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना के तहत 1 लाख 54 हजार रुपये विद्यार्थियों के बैंक खातों में जमा हो गए हैं।

अनियमितता पर आठ अस्पतालों को आरजीएचएस से हटाया

जयपुर। स्वास्थ्य विभाग ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में अनियमितताओं के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए पिछले एक माह में आठ अस्पतालों और डायग्नोस्टिक' सेंटर को योजना से बाहर कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग योजना को लगातार सुदृढ़ बना रहा है और आरजीएचएस में अनियमितता करने वाले अस्पतालों, मेडिकल स्टोर तथा लाभार्थियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि बीते एक माह में आठ अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटर को योजना से बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा दो अस्पतालों का ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम' (टीएमएस) बंद कर उनके भुगतान रोक दिए गए हैं। वहीं तीन अस्पतालों का टीएमएस तीन माह के लिए बंद किया गया है।

उन्होंने बताया कि संबंधित अस्पतालों द्वारा अनुचित तरीके से उपचार किए जाने और अन्य अनियमितताओं के मामले सामने आए थे। विभागीय जांच और ऑडिट में अनियमितताएं पाए जाने पर यह सख्त कार्रवाई की गई। आरजीएचएस की परियोजना अधिकारी निधि पटेल ने एक बयान में बताया कि पिछले एक माह में दो मामलों में अस्पतालों द्वारा लाभार्थियों से वसूली गई 2,82,044 रुपये की राशि लाभार्थियों को वापस दिलाई गई है। इसमें कहा गया कि 11 मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निलंबित किया गया है।

राजस्थान बनेगा शहद उत्पादन का हब : किरोड़ी लाल मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि प्रदेश के किसानों और पशुपालकों के आर्थिक विकास एवं सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में नवीन तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं, जिससे आय में वृद्धि हो और किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। डॉ. किरोड़ी लाल शनिवार को कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुर में आयोजित हाई वैल्यू मधुमक्खी उत्पादन: तकनीकी, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार के समापन समारोह में यह कहा।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश का किसान मेहनती और ईमानदार है तथा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार के जरिए राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किसान तेजी से प्रगतिशील बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि आईसीएआर के अनुसार मधुमक्खी पालन से संबंधित क्षेत्रों में फसलों की पैदावार में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भौगोलिक क्षेत्र वाला प्रदेश है, जहां जंगली और कृषि दोनों प्रकार की वनस्पतियों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है। यहां मकरंद और पराग की प्रचुरता मधुमक्खी पालन के लिए प्रदेश को अत्यंत अनुकूल बनाती है। मधुमक्खी पालन अब किसानों के लिए आय का सशक्त स्रोत बन चुका है और किसान खेती के साथ शहद उत्पादन कर आय में वृद्धि कर रहे हैं।डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि देश के कुल शहद उत्पादन में राजस्थान की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है और प्रदेश देश के पांच अग्रणी शहद उत्पादक राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्रदेश में 3 हजार 350 मधुमक्खी पालकों के पास 2 लाख 76 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां हैं, जिनसे लगभग 8 हजार 500 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है। शहद उत्पादन में अलवर, भरतपुर और हनुमानगढ़ अग्रणी जिले हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां एवं 50 हजार मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए जा रहे हैं, जिन पर 40 प्रतिशत अनुदान के रूप में कुल 8 करोड़ रुपये की सहायता दी जा रही है। पराग की अनुपलब्धता एवं अधिक तापमान की स्थिति में मधुमक्खी कॉलोनियों के माइग्रेशन हेतु राज्य के 1000 मधुमक्खी पालकों को 9 हजार रुपये प्रति पालक की दर से सहायता प्रदान की जा रही है।

अन्धकारयुक्त जीवन को प्रकाश प्रदान करते हैं गुरु : मुनिश्री चरित्ररत्नविजय

जैनाचार्यश्री जयन्तसेनसूरी के दीक्षातिथि पर हुए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाटण। यहां के त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में जैनाचार्यश्री जयन्तसेनसूरीजी के दीक्षा जीवन की 73वीं तिथि का आयोजन मुनि चरित्ररत्नविजयजी व श्री अजितसेन विजयजी की निश्रा में हुआ। मुनि चरित्ररत्नविजयजी ने जैनाचार्य जयन्तसेनसूरीश्वरजी के दीक्षा जीवन पर आयोजित इस एक दिवसीय 'गुरु उपकार महोत्सव' में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अन्धकार से प्रकाश की ओर एवं असत्य से सत्य की ओर ले जाते हैं गुरु। हमारे अन्धकारयुक्त जीवन को प्रकाश गुरु ही प्रदान करते हैं। गुरु दिव्य ज्ञान और दिव्य प्रकाश का स्रोत है। गुरु ज्ञान के पुंज होते हैं जो शिष्य के जीवन में आध्यात्मिक क्रान्ति लाते हैं। शिष्य का जिस प्रकार समर्पण होगा गुरु की कृपा प्रसाद उसी रूप में शिष्य को प्राप्त होती है। मुनिश्री ने कहा कि वर्तमान समय में भटकता हुआ मानव शान्ति की तलाश में है। जब मनुष्य को कहीं भी कोई रास्ता नहीं दिखता है, तब वह भटकता हुआ गुरु को खोजता है। जो गुरु की तलाश में जाता है वही गुरु की शरण में जाता है, गुरु के वचनों को सुनता है और उनके अनुसार अपना आचरण बनाता है। गुरु के चरण, उनकी शरण और उनका आचरण ही शिष्य के जीवन का पाथेय बन जाता है। मुनिद्वय की निश्रा में गुरु दीक्षा दिवस पर अनेक मानवसेवी व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें जिनालयों में परमात्मा की भव्य अंगरचना, अबोल जानवरों को हरा घास-चारा एवं आयंबिल भवन में सामूहिक आयंबिल तप की तपस्या करवाई गई।

गुरु उपकार महोत्सव की गुणानुवाद सभा में आचार्यश्री लब्धिवल्लभसूरीजी, पंन्यासश्री प्रकाशचंदजी सहित अनेक श्रमण श्रमणी सहित अनेक राजनेता व प्रशासनिक क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। पाटण जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित जीवदया कार्यक्रम का लाभ नेनावा निवासी जमनादेवी जीवराज परिवार ने लिया।

इस मौके पर धार्मिक पडिंतवर्यों का सम्मान किया गया जिसका लाभ अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तगराज जेठमल हिराणी परिवार ने लिया। सामूहिकआयंबिल तप, पाटण के पार्श्वनाथ जिनालय सहित अनेक जिनालय में परमात्मा की अंगरचना एवं गुणानुवाद कार्यक्रम का आयोजन का लाभ सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा लिया गया। त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में सुबह और शाम गुरुदेव की आरती की गई।

जैसलमेर शहर में पर्यटकों को देना होगा यात्री कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर में घूमना अब थोड़ा महंगा होने वाला है, शहर की नगर परिषद ने यहां आने वाले वाहनों पर यात्री कर' लगाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि नगर परिषद की इस पहल को स्वायत्त शासन विभाग से मंजूरी मिल गई है जिसके इसके तहत निजी गाड़ियों या टैक्सियों से आने वाले पर्यटकों को तय प्रवेश बिंदु पर यह कर चुकाना होगा।

उन्होंने बताया कि बाड़मेर रोड और जोधपुर रोड पर टोल नाके बनाए जाएंगे, जैसे ही गाड़ियां शहर की सीमा में आएंगी उन्हें कर देना होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए दर तय कर ली गई हैं, जिसके तहत 35 सीट वाली बस के लिए 200 रुपये, 25 सीट वाली बस के लिए 150 रुपये, पांच सीट वाली कार के लिए 100 रुपये और टैक्सियों और अन्य कार के लिए 50 रुपये देय होंगे।

जैसलमेर के नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढ़ा ने कहा, हर साल हजारों पर्यटक जैसलमेर आते हैं, जिससे बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ता है। नगर परिषद को मूल सुविधाओं के रखरखाव के लिए राजस्व नहीं मिलता है। राज्य सरकार के निर्देशों के बाद, परिषद ने जैसलमेर में आने वाले वाहनों पर कर लगाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नया कर गजट अधिसूचना लागू होने के बाद शुरू होगा। सोढ़ा ने कहा, परिषद कर संग्रहण प्रणाली को डिजिटल करने की योजना बना रही है ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो। यह प्रस्तावित कर सोनार किले, पटवों की हवेली, बड़ा बाग, कुलधरा और सम सैंड ड्यून्स' जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर प्रवेश टिकट के अलावा होगा। नगर परिषद ने कहा कि इस कर का मकसद नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाना और व्यस्त समय के दौरान भारी यातायात का प्रबंधन करना है।

मंत्री और जिला कलेक्टर ने बेटियों को किया सम्मानित

जयपुर/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को डीडवाना-कुचामन जिला प्रशासन और महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर परिषद कुचामनसिटी के सभागार में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे,जबकि अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ.महेंद्र खड़गावत द्वारा की गई। कार्यक्रम में राज्य मंत्री चौधरी व जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने बालिकाओं से संवाद कर बालिकाओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा कि बेटियाँ हमारे समाज का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाकर बालिकाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने बालिकाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिला प्रशासन बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को बेटों के समान अवसर प्रदान करें ताकि वे भविष्य में घर, परिवार और देश का नाम रोशन कर सकें। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने छात्राओं से संवाद कर कई सवालों के जवाब दिये। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद में भी रुचि लेनी चाहिए ।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, राष्ट्रगीत वन्दे मातरम का हुआ गायन

इस अवसर पर शिक्षा,खेल सहित अन्य विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 25 बालिकाओं और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाली 17 शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारिता विभाग के अधिकारियों ने बेटी बचाओ व बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई और बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत वन्दे मातरम का सामूहिक गायन भी किया गया।

गंणतत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का एसएमएस स्टेडियम में हुआ पूर्वाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गणतंत्र दिवस समारोह 2026 का राज्य स्तरीय आयोजन सोमवार को स्थानीय सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः 9:30 बजे होगा। 26 जनवरी को होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह का शनिवार को पूर्वाभ्यास किया गया। इस 'फुल ड्रेस रिहर्सल' में परेड, मार्च पास्ट और राजस्थान पुलिस के घुड़सवारों द्वारा प्रदर्शन के साथ-साथ आर्मी, पुलिस व स्कूली छात्र-छात्राओं के बैंड वादन तथा राजस्थानी नृत्य आदि का पूर्वाभ्यास किया गया।

पूर्वाभ्यास परेड में मुख्य समारोह की भांति कमांडर नितिन चौधरी के नेतृत्व में हाड़ी रानी महिला बटालियन, चौदहवीं बटालियन आरएसी., एसडीआरएफ, जीआरपी, बॉर्डर होमगार्ड तथा अरबन होमगार्ड (पुरुष-महिला) यूनिटस की एक-एक प्लाटून द्वारा भाग लिया गया।

समारोह में राज्य सरकार के विभिन्न 13 विभागों द्वारा झांकियों की प्रस्तुति की जाएगी। जिसमें सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र में हुए राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और 'विकसित राजस्थान2047' विजन और महत्वपूर्ण सफलताओं को प्रस्तुत करेंगे।

ओडिशा का नवरंगपुर जिला 'नक्सल-मुक्त' घोषित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नवरंगपुर जिले को 'नक्सल–मुक्त' घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घोषणा नौ माओवादियों के छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने के बाद की गई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में सात महिला नक्सली भी शामिल हैं और इन पर कुल 47 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली नवरंगपुर और छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सक्रिय थे। पुलिस ने एक बयान में कहा, उनके आत्मसमर्पण के साथ ही नवरंगपुर जिला नक्सली गतिविधियों से मुक्त हो गया है। नवरंगपुर जिले में अतीत में नक्सली हिंसा की कई घटनाएं हुई हैं। इनमें 24 सितंबर 2011 को बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक जगबंधु मांझी और उनके निजी सुरक्षा अधिकारी पी. के. पात्रो की हत्या भी शामिल है। माओवादियों ने 16 जुलाई 2010 को नवरंगपुर के रायगढ़ ब्लॉक स्थित कुंदेई थाने पर भी हमला किया था। पुलिस अधिकारी ने कहा, हालांकि 2011 के बाद जिले में कोई बड़ी नक्सली घटना नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य के 30 जिलों में से अब नक्सलियों का प्रभाव केवल सात जिलों कंधमाल, कालाहांडी, बलांगीर, मलकानगिरि, कोरापुट, रायगड़ और बौध के कुछ इलाकों तक ही सीमित रह गया है।

विकसित भारत का इंजन बनेगा उप्र : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश को देश की आत्मा बताते हुए शनिवार को कहा कि 2047 में देश की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक यह राज्य विकसित भारत के इंजन के रूप में उभरेगा। शाह ने उत्तर प्रदेश दिवस समारोह में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित सभा में गैर–भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश को दशकों तक पिछड़ा रखा और इसे 'बीमारू' राज्य के रूप में प्रचारित किया, जबकि भाजपा सरकार ने इसे सफल राज्य में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि लोग जातिवाद से ऊपर उठकर भाजपा को वंशवादी पार्टियों पर प्राथमिकता दें।

शाह ने कहा, परिवारवादी (वंशवादी) पार्टियां, चाहे वह कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी (सपा) हो या बहुजन समाज पार्टी (बसपा) हो, उत्तर प्रदेश की भलाई और विकास नहीं कर सकतीं; केवल भाजपा ही यह कर सकती है। उन्होंने कहा, केंद्र में नरेन्द्र मोदी और राज्य में योगी आदित्यनाथ होने से उत्तर प्रदेश के विकास की हर संभावना खुल गई है। राज्य की भलाई के लिए ईमानदारी से प्रयास किए गए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, उत्तर प्रदेश को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 'बीमारू' राज्य बना दिया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे 'सफल राज्य' में बदल दिया और हर गांव और घर में विकास हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को 1980 के दशक में 'बीमारू' माना जाता था, क्योंकि इन राज्यों के आर्थिक व जनसांख्यिकीय संकेतक बहुत खराब थे।

शाह ने यह भी कहा कि राज्य देश की प्रगति में एक केंद्रीय स्थान रखता है और 2047 तक इसे पूरी तरह से विकसित कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य के स्थापना दिवस पर कहा, उत्तर प्रदेश भारत की धड़कन है, और दूसरे शब्दों में कहें तो उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा भी है। मुझे पूरी तरह से विश्वास है कि उत्तर प्रदेश भारत के विकास का इंजन बनेगा, एक विकसित भारत का इंजन।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार संयुक्त रूप से विकसित राष्ट्र और विकसित राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने एक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी डबल–इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को भी एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हम सभी आज इस संकल्प को दोहराते हैं कि जब 15 अगस्त 2047 को स्वतंत्रता की शताब्दी मनाई जाएगी, तब उत्तर प्रदेश एक पूरी तरह से विकसित राज्य होगा और एक विकसित भारत का महत्वपूर्ण राज्य बनेगा। शाह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

होमी भाभा ने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा : हिमंत शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने होमी जे. भाभा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़ा।

शर्मा ने कहा कि उनके विचारों ने संस्थानों को आकार दिया, वैज्ञानिकों की पीढ़ियों को प्रेरित किया और भारत की आत्मनिर्भरता की आकांक्षा को मजबूत किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आधुनिक विज्ञान में भारत की यात्रा उनकी दूरदृष्टि से शुरू हुई। भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी जे भाभा ने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण की दूरदर्शिता के साथ जोड़ा।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उनके विचारों ने संस्थानों को आकार दिया, वैज्ञानिकों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और भारत की आत्मनिर्भरता की आकांक्षा को मजबूत किया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें अत्यंत सम्मान के साथ याद कर रहा हूं।''

मैं मानसिक रूप से शांत और मौजूदा क्षण में थीः बंसारी सोलंकी

नई दिल्ली/भाषा। एसजी पाइपर्स की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पहली खिताबी जीत में निर्णायक भूमिका निभाने वाली गोलकीपर बंसारी सोलंकी ने कहा कि वह खिताबी मुकाबले के अहम मौके पर 'मानसिक रूप से शांत थी और पूरी तरह वर्तमान में मौजूद थी'। महिला एचआईएल का फाइनल निर्धारित समय में 11 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद एसजी पाइपर्स ने शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 32 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

विशेष रूप से शूटआउट के लिए मैदान में उतारी गईं 24 वर्षीय गोलकीपर ने एक पेनल्टी स्ट्रोक के साथ तीन अहम बचाव कर अपनी टीम को जीत दिला दी। बंसारी को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए शुक्रवार को 'टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' के पुरस्कार से भी नवाज़ा गया। उन्होंने कहा कि दबाव का डटकर सामना करने से उन्हें सफलता मिली। उन्होंने कहा, ''दबाव जरूर था, लेकिन मैं नतीजे के बारे में नहीं सोच रही थी। मेरा पूरा ध्यान अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उसी पल में बने रहने पर था। मैं सिर्फ अपना काम कर रही थी।'' उन्होंने कहा, ''फाइनल से पहले हमारे कोच सोफी गिट्र्स ने हमसे कहा था कि 'डब्ल्यू–आई–इन (जीत)' का मतलब है 'व्हाट्स इम्पॉर्टेंट नाउ(इस वक्त क्या ज़रूरी है)' यह बात पूरे मैच के दौरान मेरे साथ रही।'' इस गोलकीपर ने खुलासा किया कि उनका देर से मैदान में उतरना पहले से तय रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा, ''पहले ही तय कर लिया गया था कि अगर फाइनल शूटआउट तक जाता है तो मैं खेलूंगी। इसलिए मैं लगातार वार्म–अप करती रही, क्योंकि मुझे पता था कि मुझे तैयार रहना है।''

नारों से कुछ नहीं होगा, संतों एवं शंकराचार्यों को गौ-संरक्षण की जिम्मेदारी लेनी होगी : रामदेव

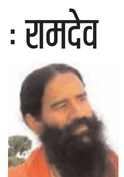

पणजी/भाषा। योग गुरु बाबा रामदेव ने शनिवार को कहा कि गोरक्षा के लिए केवल नारे लगाने से कुछ नहीं होगा तथा संतों एवं शंकराचार्यों को गौ–संरक्षण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। रामदेव ने पणजी में एक योग सत्र के बाद संवाददाताओं से कहा कि गौ–संरक्षण के लिए हर प्रयास ईमानदारी और निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सम्मेलन आयोजित करने, नारे लगाने और गायों के नाम पर रक्तपात करने से गोरक्षा नहीं हो सकती।

योग गुरु ने कहा, ''आज पतंजलि एक लाख गायों की रक्षा कर रहा है। हर शंकराचार्य को भी गौ माता की रक्षा का दायित्व लेना चाहिए। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोसने मात्र से गौ संरक्षण हासिल हो जाएगा?'' प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र और सनातन ज्ञान का केंद्र बने। रामदेव ने कहा कि स्वास्थ्य, कल्याण और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए लोगों को गोवा लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आत्म–उपचार से लेकर आत्म–साक्षात्कार तक, हर चीज के लिए लोग यहां आ सकते हैं। गोवा एक खूबसूरत और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध स्थान है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए यहां आना चाहिए।'' रामदेव ने घोषणा की कि राज्य सरकार के समर्थन से गोवा में पतंजलि का सबसे बड़ा 'वेलनेस सेंटर' बनाया जाएगा।

मायावती ने धर्म और राजनीति को आपस में जोड़ने पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन में जारी विवाद के बीच शनिवार को कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति से और राजनीति को धर्म से जोड़ने के कई खतरे हमेशा बने रहते हैं।

बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी किसी भी धर्म के पर्व, त्योहार, पूजा–पाठ और स्नान आदि में राजनीतिक लोगों का हस्तक्षेप और प्रभाव पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''यह हस्तक्षेप नए–नए विवाद, तनाव और संघर्ष का कारण बन रहा है, जो उचित नहीं है, और इसी वजह से लोगों में दुख व चिंता की लहर स्वाभाविक है। वास्तव में संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति से तथा राजनीति को धर्म से जोड़ने के खतरे हमेशा बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान आदि को लेकर जारी विवाद, एक–दूसरे का अनादर और आरोप–प्रत्यारोप इसका ताजा उदाहरण है। इससे हर हाल में बचा जाना ही बेहतर होगा। वैसे भी देश का संविधान और कानून ईमानदारी से जनहित और जनकल्याणकारी कर्म को ही वास्तविक राष्ट्रीय धर्म मानते हैं और राजनीति को धर्म से तथा धर्म को राजनीति से दूर रखने की बात करते हैं।'' बसपा प्रमुख ने कहा कि इस सोच पर सही नीयत और नीति के साथ अमल होना चाहिए, ताकि नेता बिना किसी द्वेष और पक्षपात के, सर्व समाज के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक हित में अपने संवैधानिक दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन कर सकें।

त्रिपुरा की अगरवुड आधारित अर्थव्यवस्था जल्द ही 2,000 करोड़ रुपए की होगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को अनुमान जताया कि नीतिगत सहायता और बुनियादी ढांचे के विकास के दम पर त्रिपुरा की अगरवुड (अगर की लकड़ी) आधारित अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में सालाना 2,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी।

वर्तमान में, इस पूर्वोत्तर राज्य में अगरवुड का वार्षिक व्यापार लगभग 100 करोड़ रुपए का है। उत्तर त्रिपुरा जिले के फुलबारी में 80 करोड़ रुपए की लागत वाली 'अगरवुड क्लस्टर विकास परियोजना' की आधारशिला रखने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि डोनर मंत्रालय अगरवुड व्यापार की बाधाओं को दूर करने के लिए काम कर रहा है। सिंधिया ने कहा, पहली समस्या अगरवुड उत्पादों के निर्यात पर लगी सीमा की थी, जिसे व्यावहारिक तरीके से सुलझा लिया गया है। अगरवुड चिप्स के निर्यात की ऊपरी सीमा को राज्य के लिए 25,000 से बढ़ाकर 1.50 लाख कर दिया गया है। इसी तरह, अगरवुड तेल के निर्यात की सीमा को भी 1,500 किलोग्राम से बढ़ाकर 75,000 किलोग्राम कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय अगरवुड आधारित उत्पादों के निर्यात के लिए आवश्यक विभिन्न मंजूरियों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि इसे सरल बनाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि अगरवुड व्यापारियों को संभावित खरीदारों को नमूने दिखाने के लिए विदेश ले जाने की अनुमति दी जाएगी। वर्तमान में सीमा शुल्क विभाग व्यापारियों को नमूने के रूप में अगरवुड उत्पाद ले जाने की अनुमति नहीं देता है।

आईसीसी ने बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल किया

नई दिल्ली/भाषा। आईसीसी ने बांग्लादेश को आगामी टी20 विश्व कप से बाहर कर उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया है क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपनी टीम भारत भेजने से इनकार कर दिया था। स्कॉटलैंड के शामिल होने से एक महीने से चल रहा असमंजस खत्म हो गया क्योंकि बीसीबी लगातार जोर दे रहा था कि उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित किए जाएं और यहां तक कि उसने अपने ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदलने का भी सुझाव दिया था।

हालांकि आयरिश क्रिकेट बोर्ड ने इस सुझाव को साफ तौर पर खारिज कर दिया। आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश के खिलाफ 14–2 के भारी बहुमत से फैसला हुआ कि उसे अपने मुकाबले खेलने के लिए भारत जाना चाहिए। आईसीसी ने बीसीबी को अपना रुख बदलने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी थी, लेकिन आसिफ नजरुल के अड़े रहने के कारण क्रिकेट के दीवाने इस देश की टी20 विश्व कप खेलने की उम्मीदें खत्म हो गईं। पता चला है कि चेयरमैन जय शाह सहित आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को दुबई में मौजूद थे। इसी दिन देर शाम बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक ईमेल भेजकर वैश्विक संस्था के फैसले से अवगत कराया गया। आईसीसी के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''कल शाम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष को ईमेल भेजकर सूचित किया गया कि उनके बोर्ड ने भारत आने या नहीं आने के फैसले पर 24 घंटे की समय–सीमा के भीतर आधिकारिक रूप से आईसीसी को कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए यह निर्णय लिया गया।''

धोनी ने किया अभ्यास, आईपीएल की तैयारी को लेकर अटकलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने यहां अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे उनकी आईपीएल 2026 की तैयारियों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने सोशल मीडिया पर एक छोटा वीडियो साझा किया जिसमें धोनी को नेट सत्र के लिए पैड पहनते हुए देखा जा सकता है। इस पोस्ट के साथ शीर्षक में लिखा गया, देखो कौन वापस आया है''। वीडियो के साथ एक अन्य शीर्षक में लिखा गया, जेएससीए का गौरव: महेंद्र सिंह धोनी।

नेट सत्र से पहले धोनी को भारत और झारखंड के पूर्व बल्लेबाज और जेएससीए अधिकारी सौरभ तिवारी के साथ बातचीत करते हुए भी देखा गया। आईपीएल 2026 की 'विंडो' (आयोजन की तारीख) को तय कर दिया गया है जो 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा। धोनी ने वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह अब भी आईपीएल में सक्रिय हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ संभाल रहे हैं लेकिन धोनी अब भी टीम का बेहद अहम हिस्सा बने हुए हैं। आईपीएल में 2008 से अब तक धोनी ने 278 मैचों में 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 84 रन रहा है।

संविधान सभा के 264 सदस्यों ने 76 साल पहले भारतीय संविधान पर हस्ताक्षर किए थे : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संविधान निर्माण की यात्रा के एक पड़ाव का जिक्र करते हुए शनिवार को कहा कि ठीक 76 साल पहले संविधान सभा के 264 सदस्यों ने भारत के संविधान पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए थे।

रमेश ने इस बात का भी जिक्र किया कि इन सभी सदस्यों ने एक साथ तस्वीर भी खिंचवाई थी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''आज से 76 वर्ष पहले, संविधान सभा के 264 सदस्यों ने भारतीय संविधान पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए थे जिसे वे पहले ही 26 नवंबर 1949 को अपना चुके थे। उन्होंने इसकी तीन प्रतियों पर हस्ताक्षर किए जिनमें से दो अंग्रेजी और एक हिंदी में हस्तलिखित थीं और उनमें शांतिनिकेतन के उन कलाकारों द्वारा बनाए गए 22 चित्रांकन शामिल थे, जिनका नेतृत्व स्वयं नंदलाल बोस ने किया था।'' अंग्रेजी में सुंदर कैलिग्राफी प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने की थी जबकि हिंदी में यह कार्य वसंत के. वैद्य ने किया था।

जोकोविच ने गैंडस्लैम में दर्ज की रिकॉर्ड 400वीं जीत

ऑस्ट्रेलिया ओपन में की फेडरर से बराबरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/एपी। दिग्गज नोवाक जोकोविच ने टेनिस जगत नया इतिहास बनाने का सिलसिला जारी रखते हुए शनिवार को यहां ग्रैंड स्लैम में 400वीं जीत और ऑस्ट्रेलियन ओपन में 102वीं जीत दर्ज की।

चौबीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर के मैच में बोटिक वान डे जैंडस्चुल्प को 6–3, 6–4, 7–6 से हराकर ग्रैंड स्लैम एकल मुकाबलों में 400 जीत दर्ज करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनका जीत–हार रिकॉर्ड 102–10 हो गया, जो इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक मैच जीत के मामले में रोजर फेडरर के करियर रिकॉर्ड की बराबरी है।

जोकोविच अब तक ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब 10 बार जीत चुके हैं, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है। 38 वर्षीय जोकोविच इस बार अपने करियर का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं। वह अगर ऐसा करने में सफल रहे तो सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जायेंगे। जैंडस्चुल्प के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए। तीसरे सेट में कुछ क्षणों को छोड़कर उन्हें कोई खास परेशानी नहीं हुई। तीसरे गेम में वह फिसलकर कोर्ट पर गिर पड़े और बाद में 12वें गेम में उन्हें दो सेट प्वाइंट का सामना करना पड़ा। तीसरे गेम के बाद चेंजओवर के दौरान उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया, जहां फिजियो ने उनके दाएं पैर के अगले हिस्से पर टेप लगाया। उन्होंने इसके बाद एक शानदार फोरहैंड विनर ने शुरुआती संकट को टाल दिया। दर्शकों ने नोले, नोले, नोले (जोकोविच का उपनाम) के नारों से उनका हौसला बढ़ाया। जोकोविच ने शानदार सर्व लगाकर टाईब्रेक तक पहुंचने के बाद सेट को अपने नाम किया।

जोकोविच इस बात से खुश थे कि उन्हें रात्रि मैच खेलने का मौका मिला, खासकर ऐसे दिन जब टूर्नामेंट की अत्यधिक गर्मी नीति लागू करनी पड़ी। इससे पहले दो बार के गत चैंपियन यानिक सिनर को दोपहर की परिस्थितियों में कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के इस चरण में उनका शरीर अच्छा महसूस कर रहा है, लेकिन पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद वह ज्यादा आगे की नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत रही है। पिछले साल मैंने एक सबक सीखा। कुछ ग्रैंड स्लैम में मैं बहुत जल्दी उत्साहित हो गया था और चार में से तीन में चोटिल हो गया।

रैंकिंग में सबसे ज्यादा समय तक शीर्ष स्थान पर रहे इस खिलाड़ी ने इसके साथ ही ग्रैंड स्लैम इतिहास में तीन अलग–अलग सतहों पर 100 या उससे अधिक मैच जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड कायम किया। उनके नाम विंबलडन में घासियाले कोर्ट पर 102 जीत, रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में बाजरी वाले कोर्ट पर 101 जीत और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हार्ड कोर्ट पर 100 से अधिक जीत है।

'भारतीय विकटों पर खेलने के लिए अच्छी तैयारी की'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। रचिन रविंद्र को भारतीय परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है और अब जबकि यहां जल्द ही टी20 विश्व कप होने वाला है तब न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज को अपनी लय मिलती दिख रही है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारत में खेले गए 2023 के वनडे विश्व कप में तीन शतक लगाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका अनुबंध हुआ, जिससे उन्हें देश भर की विभिन्न परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का अधिक अनुभव मिला।

शुक्रवार रात को दूसरे टी20 मैच में उन्होंने कुलदीप यादव की ढीली गेंद पर आउट होने से पहले 26 गेंदों में 44 रन बनाकर अपनी विशेष प्रतिभा का नमूना पेश किया। हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की गेंदों पर लगाए गए उनके दो–दो छक्कों ने दिखाया कि उनके खेल में ताकत और संयम का सही संतुलन है।

रविंद्र ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, '''भारत में खेलना अच्छा लगता है। मैं यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हूं। आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है, इसलिए मैंने स्वदेश में काफी अभ्यास किया। इस तरह के विकेटों पर खेलने के लिए तैयारी की।''

भारत ने बड़ी आसानी से 209 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया और पांच मैचों की श्रृंखला में 2–0 की बढ़त बना ली।

रविंद्र ने कहा, ''भारत की बल्लेबाजी को देखते हुए ऐसा लगता है कि 250 का लक्ष्य बेहतर होता। हमने बीच में जल्दी–जल्दी विकेट गंवा दिए, जिससे हमारी प्रगति थोड़ी धीमी हो गई। ओस पड़ने और इस तरह की अन्य परिस्थितियों को देखते हुए संभवत: हमें 15–20 रन और बनाने चाहिए थे।'' उनके पास गति होती है,'' उन्होंने तर्क दिया।''

भारतीय मूल के इस बल्लेबाज ने कहा, ''जब हमने पहले बल्लेबाजी की तो मैदान थोड़ा गीला था और फिर धीरे–धीरे और गीला होता गया, जिससे गेंद पकड़ना और बेहतर तरीके से खेलना मुश्किल हो गया, लेकिन फिर भी इससे भारत की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ता।''

न्यूजीलैंड को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता और रचिन को भी भरोसा है कि उनकी टीम श्रृंखला में वापसी करेगी। उन्होंने कहा, ''यह बेहद निराशाजनक है। हम श्रृंखला में नहीं पिछड़ना चाहते थे लेकिन हमारे खिलाड़ियों का हौसला अभी बना हुआ है। हमने पहले दो मैचों से बहुत कुछ सीखा है। उम्मीद है कि हम आगे के तीन मैच में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।''

सुविचार

आपकी नाजायज कमाई का लाभ कोई भी उठा सकता है पर आपके नाजायज कर्मों का फल आपको खुद ही भुगतना पड़ता है।

ट्वीट

मानननीय केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई! प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।

-भजनलाल शर्मा

बानसूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक श्री देवी सिंह जी शेखावत की सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर वर-वधू को मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं और परिजनों को बधाई प्रेषित की।

-दिया कुमारी

कहानी

हमसफ़र

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

दिल्ली में कड़ाके की सर्दी चल रही थी। जनवरी की सुबह कुछ ऐसी थी कि सूरज भी अपनी रजाई से बाहर निकलने में नखरे कर रहा था। जनकपुरी मेट्रो पर खड़ी आरुषि, जिसे इलाके के लोग नाम से कम और वो हँसती हुई लड़की के नाम से ज़्यादा जानते थे। उसका रोज़ का रूटीन फिक्स था, जनकपुरी वेस्ट मेट्रो स्टेशन से ब्लू लाइन पकड़ना। अक्सर उसके दोस्त उसके साथ होते, कभी कोई पुरानी याद ताज़ा होती, तो कभी ऑफिस की गॉसिप। आरुषि अपनी ज़िंदगी के हर पल को 'लार्जर दैन लाइफ़' अंदाज़ में जी रही थी। लेकिन उसे क्या पता था कि ब्लू लाइन के एक साधारण से सफ़र में उसकी ज़िंदगी का 'सिग्नल' बदलने वाला है।

उसके साथ उसके जिगरी दोस्तों का काफिला था। मिस्टी और रॉकी स्कूल के ज़माने के वो दोस्त थे जिन्हें आरुषि के हर सीक्रेट का पता था। प्रीति, जो कॉलेज की याद ताजा रखती थी और जिसका फोन हमेशा 45 डिग्री के एंगल पर सेल्फी मोड में रहता था और अभय, ऑफिस का वो साथी जो काम कम और चुटकुले ज़्यादा बांटता था।

कोच के अंदर पैर रखने की जगह नहीं थी। मेट्रो के अंदर का नज़ारा किसी युद्ध क्षेत्र से कम नहीं था। लेकिन आरुषि की गैंग ने अपना एक कोना सुरक्षित कर लिया था। रॉकी ने माहौल को गर्माते हुए कहा, दोस्तों, मेट्रो में लड़की से बात करने का निंजा टेक्निक बताऊं? बस पास जाकर धीरे से कहो – 'एक्सक्यूज मी, आपकी स्माइल इतनी ब्राइट है कि मेट्रो की लाइट्स शर्मा गई हैं!'

पूरी गैंग के ठहाकों से कोच गूँज उठा। पास खड़े एक अंकल ने चश्मा ठीक करते हुए उन्हें ऐसे घूरा जैसे उन्होंने मेट्रो की सीट नहीं, बल्कि उनकी ज़मीन हड़प ली हो। प्रीति ने तुरंत फोन निकाला, गाइज़, पोज! ये रील तो वायरल होगी। कैप्शन – 'मेट्रो मस्ती विद द बेस्टीज़'।

आरुषि की ज़िंदगी एक सेट पैटर्न पर चल रही थी। कनॉट प्लेस में एक मल्टीनेशनल कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की जॉब थी। सुबह नौ से शाम छह की भागदौड़ और क्लाइंट्स के नखरे। उसके मम्मी-पापा जनकपुरी से फोन पर रोज़ एक ही राग अलापते -बेटी, अब 26 की हो गई है, कोई अच्छा लड़का देख ले, शादी की उम्र निकली जा रही है। और आरुषि का एक ही जवाब होता, पापा, पहले करियर की मेट्रो पटरी पर आ जाए, फिर दूल्हा भी देख लेंगे।

आरुषि अपनी धुन में मगन थी। वह फोन पर अपनी सहेली को बता रही थी कि कैसे उसके बॉस ने उसे संडे को भी ईमेल कर दिया। यार, ये बॉस लोग अपनी बीवियों से झगड़कर सारा गुस्सा हम पर क्यों निकालते हैं?

तभी मेट्रो राजौरी गार्डन पहुँची। दरवाज़े खुले और भीड़ का एक नया रेला अंदर आया। इसी धक्का-मुक्की में एक लड़का, जो शायद किसी दूसरी दुनिया से आया लग रहा था, आरुषि से ज़ोर से टकराया। लंबा कद, हल्की दाढ़ी, हाथ में लैपटॉप बैग और आँखों में चमक थी। वह लड़का मुस्कराया, ऐसी मुस्कान जो सीधे दिल पर दस्तक दे गया। सॉरी मैम! आरुषि पलटी। लेकिन गुस्सा वहीं पिघल गया। कोई बात नहीं।लड़का हँस पड़ा। मैं विराज। सॉफ्टवेयर इंजीनियर। गुरुग्राम में जॉब। आप? आरुषि। पीछे से रॉकी ने कोहनी मारी, भाई साहब, थोड़ा स्पेस! हमारी आरुषि वीआईपी है, इसका इंश्योरेंस महंगा है! विराज ने हाथ जोड़ लिए, माफ़ करना दोस्त, मैं तो बस सिस्टम चेक कर रहा था। मेट्रो अब राजौरी गार्डन से आगे बढ़ चुकी थी। विराज और आरुषि के बीच बातों का सिलसिला ऐसे शुरू हुआ जैसे दो पुराने बिछड़े हुए रिश्तेदार मिल गए हों। आधे घंटे के सफ़र में दोनों की दुनिया सिमट आई थी।आरुषि ने उसे अपने स्कूल के वो किस्से सुनाए जब उसने क्लास बंक की थी, अपने कॉलेज के उन दोस्तों के बारे में बताया जो आज भी उसे 'ड्रामा क्वीन' कहते हैं ।विराज ने कहा, लाइफ भी कोडिंग जैसी है। एक सेमी-कोलन गलत और सब क्रैश।आरुषि हँसी, उसने पलटकर जवाब दिया, और मार्केटिंग? वहां तो हम 'एरर' को भी 'यूनिक फीचर' बताकर बेच देते हैं। बॉस कहता है – टारगेट अचीव करो, चाहे दुनिया इधर की उधर हो जाए। जैसे-जैसे मेट्रो करोल बाग पार कर रही थी, आरुषि को महसूस हुआ कि विराज के साथ बिताया गया ये आधा घंटा उसके सालों के दोस्तों के साथ बिताए वक्त से ज़्यादा भारी पड़ रहे थे। विराज उसे टोक नहीं रहा था, बल्कि उसे 'सुन' रहा था। वह उसकी उन बेमतलब की बातों पर भी हंस रहा था जिन पर आरुषि खुद कभी-कभी शर्मिंदा हो जाती थी।

आरुषि महसूस कर रही थी कि उसके पास दोस्त तो बहुत हैं, लेकिन विराज जैसा 'हमसफ़र' कोई नहीं। आरुषि को पता चला कि विराज जितना गंभीर दिखता है, उतना ही गहरा भी है। उधर आरुषि के दोस्तों ने व्हाट्सएप ग्रुप पर हंगामा मचा दिया था। रॉकी: अलर्ट! नया कैरेक्टर एंटर। संभावित दूल्हा! शादी का कार्ड प्रिंट करवाऊं क्या? मिस्टी: आरुषि के चेहरे की लाली देखो, ये सर्दी से नहीं, शर्माने से है! उस दिन मंगलवार था। अब आर.के.आश्रम मार्ग स्टेशन आने वाला था। आरुषि का दिल किसी ढोल की तरह बज रहा था। उसने सोचा कि अगर आज नहीं कहा, तो शायद ये 'हमसफ़र' अगले स्टेशन पर उतर जाएगा और फिर कभी नहीं मिलेगा। उसने हिम्मत जुटाई और विराज का हाथ हल्के से छुआ। विराज ने उसकी तरफ देखा। आरुषि ने सीधे उसकी आँखों में झाँका और कहा, विराज मुझे लगता है मैं तुम्हें चाहने लगी हूँ। आई लव यू।

विराज चौंक गया, लेकिन उसके चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान थी। आरुषि रुकी नहीं, उसने आगे बढ़कर ज़िद की, अब चुप मत रहो। मुझे भी वही सुनना है। बोलो न, आई लव यू! विराज ने एक गहरी सांस ली, चेहरे पर एक रहस्यमयी मुस्कान लाई और बोला, अरे आरुषि, ठीक है, कह देंगे। लेकिन कोई उचित अवसर तो आने दो। इतनी जल्दी क्या है? हमारे यहाँ बड़े – बुजुर्ग कहते हैं-सब्र का फल मीठा होता है! आरुषि, जो भावनाओं के उफान पर थी, इस 'दार्शनिक' जवाब से झुंझला गई। उसने पैर पटकते हुए कहा, अरे कोई मीठा-वीठा नहीं होता! ये सब पुरानी बातें हैं।

मुझे अभी सुनना है! पूरा कोच शांत हो गया। विराज उसकी मासूमियत और झुंझलाहट देख जोर-जोर से हंसने लगा। उसकी हंसी इतनी असरदार थी कि पास खड़े अंकल, जो अब तक उन्हें घूर रहे थे, वो भी मुस्करा दिए। आरुषि उसे घूरती रही, पर अंदर ही अंदर वह भी उसकी हंसी पर फ़िदा हो रही थी। आरुषि के दोस्त पीछे से हूटिंग करने लगे। रॉकी ने चिल्लाया, ये हुई न बात! डायरेक्ट प्रपोजल! मेट्रो राजीव चौक पहुँच चुकी थी। आरुषि को यहाँ उतरना था क्योंकि उसका ऑफिस कनाट प्लेस में था। दरवाज़े खुले, और लोगों का हुजूम बाहर निकलने लगा। आरुषि ने उतरते वक्त मुड़कर विराज को देखा। वह अब भी मुस्करा रहा था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

ऋतुराज

मैं हर क्षण तन छीज रहा,
हर क्षण मन रीझ रहा,
जितना छीजता, उतना
रीझता,
छीजना, रीझना, स्वयं पर खीजना,
विरोध का आभास अथाह,
विरुद्ध का समानांतर प्रवाह,
तब पाट का आकुंचन होना,
समानांतर का मिलन होना,
अब न छीजना, अब न रीझना,
भीतर-बाहर मानो संत होना,
देहकाल में ऐसा भी वसंत होना...!

जीवन बहुआयामी है। वसंत केवल रंगों का समुच्चय भर नहीं, अपितु विभिन्न राग-भावों का समग्र स्वरूप भी है। हर रंग का अपना अस्तित्व है, हर रंग का अपना महत्व है। जीवन में हर रंग की आवश्यकता भी है।

विचार करें तो रोटी, कपड़ा और मकान, मनुष्य की स्थूल अथवा प्रत्यक्ष मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। अभिव्यक्ति सूक्ष्म या परोक्ष आवश्यकता है। जिस प्रकार सूक्ष्म देह के बिना स्थूल का अस्तित्व नहीं होता, उसी प्रकार अभिव्यक्ति या मानसिक विरेचन के बिना मनुष्य जी नहीं सकता। अक्षर की इकाई को शब्द, वाक्य एवं भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति का, सूक्ष्म का सर्वाधिक सशक्त साधन बनाने वाली वागीश्वरी माँ सरस्वती का अवतरण दिवस है वसंतपंचमी।

पौराणिक आख्यान है कि ब्रह्मा जी सृष्टि की रचना तो कर चुके थे पर सर्वव्यापी मौन का कोई हल ब्रह्मा जी के पास नहीं था। तब माँ शारदा प्रकट हुईं। निनाद, वाणी एवं कलाओं का जन्म हुआ। जल के प्रवाह और पवन के बहाव को में स्वर प्रस्फुटित हुआ। मौन की अनुगूँज भी सुनाई देने लगी। आहद एवं अनहद नाद गुंजायमान हुए। चराचर 'नादब्रह्म' है।

अनादिनिधनं ब्रह्म
शब्दतवायदक्षरम ।
विवर्तते अर्थभावेन प्रक्रिया
जगतोयतः।।

अर्थात शब्द रूपी ब्रह्म अनादि, विनाश रहित और अक्षर है तथा उसकी विवर्त प्रक्रिया से ही यह जगत भासित होता है। शब्द और रस का अबाध संचार ही सरस्वती है। शब्द और रस के प्रभाव का एकात्म भाव से अनन्य संबंध है। इसका एक उदाहरण संगीत है। आत्म और परमात्म का एकात्म रूप संगीत है। संगीत को मोक्ष की सीढ़ियाँ माना गया है। महर्षि याज्ञवल्क्य इसकी पुष्टि करते हैं-

वीणावादनतत्वज्ञः
श्रुतिजातिविशारदः।
तालश्रह्वाप्रयासेन मोक्षमार्गं च
गच्छति।

वैदिक संस्कृति के नेत्रों में समग्रता का भाव है। कोई पक्ष उपेक्षित नहीं है। यही कारण है कि वसंत पंचमी रति और कामदेव का उत्सव भी है। इस ऋतु में सर्वत्र विशेषकर खिली सरसों का पीला रंग दृष्टिगोचर होता है। प्रकृति का चटक पीला रंग आकर्षित करता है पुरुष को। प्रकृति और पुरुष का एकात्म होना मदनोत्सव है।

मदन भाव से श्मशान वैराग्य तक, सृष्टि में सभी कुछ उत्सव है। जीवन के हर पक्ष को उत्सव की भाँति ग्रहण करने का संदेश है वसंत। हर भाव को समग्रता से, परिपूर्णता से जीने का प्रतीक है वसंत। यही कारण है कि ऋतुराज कहलाया वसंत।

पाठकों को वसंतोत्सव की मंगलकामनाएँ।

आज का भारत : नेतृत्व की ओर बढ़ता गणतंत्र

प्रो. आरके जैन अरिजीत

26 जनवरी 2026 – भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस। यह केवल तिरंगा फहराने या परेड देखने का अवसर नहीं, बल्कि वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने गुलामी की जंजीरें तोड़कर केवल आज़ादी ही नहीं, बल्कि स्वयं के शासन का संकल्प लिया। यही वह क्षण था जब राष्ट्र ने तय किया कि उसका भविष्य संविधान, न्याय और नागरिक चेतना से संचालित होगा। 26 जनवरी कोई साधारण उत्सव नहीं, बल्कि वह दिन है जब भारत अपने विवेक के सामने खड़ा होकर स्वयं से पूछता है कि क्या उसने अपने गणतंत्र को केवल स्मरण तक सीमित रखा है या उसे अपने जीवन का संस्कार बनाया है। यह दिन तिरंगे की गरिमा से पहले नागरिक के चरित्र और कर्तव्यबोध की परीक्षा लेता है। यह हमें याद दिलाता है कि आज़ादी अतीत की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्तमान की सतत जिम्मेदारी है, क्योंकि राष्ट्र का भविष्य शब्दों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण और कर्म से निर्मित होता है। 1950 में संविधान के लागू होने के साथ भारत ने यह दृढ़ संकल्प लिया था कि यह राष्ट्र शक्ति के दबाव या भय के आधार पर नहीं, बल्कि न्याय, समानता और विधि के सिद्धांतों पर चलेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की चेतावनी आज भी उतनी ही प्रखर है कि संविधान की सार्थकता उसके अनुच्छेदों में नहीं, बल्कि उसे लागू करने वालों की नैतिकता में निहित होती है। सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद मूल प्रश्न यह नहीं रह गया है कि हमारे पास अधिकार हैं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम उन अधिकारों की गरिमा को निभाने वाले उत्तरदायी नागरिक बन पाए हैं।

भारत की प्रगति आज विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है और उसे नए दृष्टिकोण से देखने को विवश कर रही है। विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल संरचना और आर्थिक विस्तार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भारत असीम संभावनाओं का राष्ट्र है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब अधिक आत्मविश्वास और प्रभाव के साथ उभर रही है। नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी दक्षता ने विकास के नए द्वार खोले हैं। स्वच्छ ऊर्जा, जैव आधारित अर्थव्यवस्था और निर्यात विस्तार ने प्रगति को नई दिशा और स्थायित्व प्रदान किया है। यह सब संकेत देता है कि भारत केवल आगे बढ़ने वाला देश नहीं, बल्कि नेतृत्व करने के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है। विकसित भारत की परिकल्पना अब केवल आकांक्षा नहीं, बल्कि स्पष्ट दिशा और ठोस लक्ष्य में बदल चुकी है। सम्मानजनक जीवन, सशक्त अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा की चाह हर नागरिक के मन में गहराई से समाई हुई है। जब विकास की योजनाओं में किसान, श्रमिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक समान भागीदारी निभाते हैं, तब प्रगति केवल दिखाई नहीं देती, बल्कि स्थायी रूप से जड़ें जमाती है। यह संकेत देता है कि विकास अब सीमित दायरों से बाहर निकलकर समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचने का संकल्प कर चुका है।

पर्यावरण संकट अब अनदेखा किया जाने वाला विषय नहीं रह गया है। वायु प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन विकास की नींव को ही चुनौती दे रहा है। नदियों की बिगड़ती दशा और शहरों की विषैली हवा यह स्पष्ट कर देती है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए बिना प्रगति टिकाऊ नहीं हो सकती। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आर्थिक मजबूती नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी है। स्वदेशी और हरित तकनीकों को अपनाए बिना भविष्य को सुरक्षित नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार आज भी विकास पथ की सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। यह केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति का रूप ले चुका है। जब नियमों को तोड़ना सामान्य व्यवहार बन जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। इसके साथ ही जाति, धर्म और क्षेत्रीयता के नाम पर खींची गई रेखाएँ सामाजिक एकता को क्षति पहुँचाती हैं। विविधता भारत की पहचान है, लेकिन जब वही विभाजन का कारण बन जाए, तो गणतंत्र की नींव डगमगाने लगती है।

गणतंत्र दिवस हमें यह गहरी समझ देता है कि अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहारे टिके हैं। कर्तव्य के बिना अधिकार अर्थहीन और कमजोर हो जाते हैं। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव को अपने आचरण का आधार बनाए। नफरत और अफवाहों के स्थान पर संवाद, सहिष्णुता और समझ को बढ़ावा देना ही सच्ची देशभक्ति का परिचय है। समस्याओं से मुँह मोड़ने के बजाय समाधान खोजने की सोच विकसित करना समय की माँग है। महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और ग्रामीण विकास राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। जब तक समाज का हर वर्ग सुरक्षित, सशक्त और सम्मानित नहीं होगा, तब तक प्रगति अधूरी ही रहेगी। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता आज के युग में राष्ट्रीय दायित्व बन चुके हैं। अनुशासन, परिश्रम और नैतिकता के बिना कोई भी राष्ट्र न तो स्थायी विकास कर सकता है और न ही विश्व को मार्ग दिखा सकता है। आज इस गणतंत्र दिवस पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम केवल आलोचना करने वाले नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागी बनेंगे। हम विभाजन की नहीं, एकता और भाईचारे की राह चुनेंगे। हम अधिकारों की माँग के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का साहस भी दिखाएँगे। जब भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर होगा, तब विश्व उसे केवल समृद्ध ही नहीं, बल्कि नैतिक, संवेदनशील और जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में पहचाने – यही हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी परीक्षा है और यही उसका ऐतिहासिक उत्तरदायित्व।

बोध कथा

लाख की बनी भैंस

एक ब्राह्मण ने ग़रीबी से तंग आकर काशी जाने का निश्चय किया। वहाँ उसे इतनी दान-दक्षिणा मिलेगी जिसकी वह अपने गाँव में कल्पना भी नहीं कर सकता। सो एक दिन जब उसकी पत्नी उसके बहुत पीछे पड़ गई, पैसे वाली पड़ोसिनों से अपनी तुलना करके रेशमी साड़ियाँ और गहने माँगे और लीर-लीर कपड़े पहने बेटी को दिखाकर ताना मारा तो उसका निश्चय और पक्का हो गया और वह काशी के लिए चल पड़ा। वह दो बरस काशी में रहा और हर तरह का दान स्वीकार किया। यहाँ तक कि तेल और भैंस जैसा अशुभ दान भी उसने अस्वीकार नहीं किया। तामसिक दान लेने वाले ब्राह्मण को अधिक दक्षिणा जो मिलती है। उसकी रुचि अधिक से अधिक धन बटोरने की थी। वह कैसे मिलता है, इसकी उसे चिंता नहीं थी। दो बरस में उसने हज़ारों रुपए जमा कर लिए। धन देखकर उसकी पत्नी बहुत ख़ुश होगी, यह सोचकर वह तुरंत गाँव के लिए रवाना हो गया। काशी से लौटते समय वह पूना में रुका। उसकी पत्नी गहनों पर जान देती थी। सो एक सुनार से उसने सोने के दो हार बनवाए। इसमें उसकी जमा-पूँजी का अधिकांश खर्च हो गया।

सुनार लगता तो भला था, पर था धूर्त। ग्राहकों से वह बहुत शिष्टता से पेश आता था और उन्हें चक्कर नहीं लगवाता था। ब्राह्मण के हार उसने नियत समय से एक दिन पहले ही बना दिए। हार वैसे ही थे जैसे ब्राह्मण चाहता था। बराबर सौ लड़ियों के। सही तौल। नगीनों की चमक ऐसी कि पूछो मत! हार बहुत सुंदर बने थे। ब्राह्मण की बाछें खिल गईं। बोला, तुम बहुत भले और समय के पक्के हो। मैं जितने सुनारों को जानता हूँ, उनमें कोई भी तुम्हारी बराबरी नहीं कर सकता। ब्राह्मण ने उसे दाम के अलावा कुछ पुरस्कार देते हुए कहा, मेरे पास और रुपए होते तो मैं तुम्हें और अधिक पुरस्कार देता। प्रशंसा के लिए सुनार ने उसका आभार माना और पुरस्कार लौटा दिया। इससे ब्राह्मण और अधिक ख़ुश हुआ। ब्राह्मण घर पहुँचा। इतने दिनों बाद उसे देखकर उसकी पत्नी और बेटी बहुत प्रसन्न हुईं। चमचमाते हार देखकर तो उनकी प्रसन्नता सातवें आसमान को छूने लगी। बेटी ने तुरंत अपना हार पहना और साथिनों को दिखाने के लिए बाहर भाग गई। पत्नी ने भी हार पहनने में देरी नहीं की, पर पड़ोसिनों को दिखाने जाने की बजाए वह रसोई में जाकर पति के लिए खाना बनाने में जुट गई। चूल्हे के पास बैठकर उसने गले से हार खोला और उसे हाथ में लेकर तौलने लगी। हार को सहलाते और उसके वज़न का अंदाज़ लगाते हुए उसे लगा कि कहीं कुछ गड़बड़ है। उसने सोचा कि क्यों न सोने की परख की जाए। इसमें हरज ही क्या है? सो उसने हार का एक मनका तोड़ा और उसे आग में रखा। आग में रखते ही सी-सी की आवाज़ के साथ मनके से धुआँ उठा और वह लाख की तरह जलने लगा। वह सन्न रह गई। यह साफ़ था कि उसके भोले-भाले पति को घाघ सुनार ने ठग लिया। उसे संभलने में कुछ समय लगा। फिर वह पति के पास गई और उसे भरसक धीरज के साथ बताया कि उसके साथ धोखा हुआ है। सुनकर ब्राह्मण के होश उड़ गए। यह सोचकर उसे गहरा सदमा लगा कि अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई उसने लाख के कुछ मनकों के लिए गँवा दी। उस दिन से उसके दिल में यह बात घर कर गई कि सुनारों पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता।

दो-तीन दिन बाद उसने पत्नी से पूछा कि उसके काशीप्रवास के दौरान घर का ख़र्च कैसे चलता था। पंडिताइन ने कहा, मैंने एक अच्छी दुधारू भैंस ले ली। मंदिर के पास जो सुनार रहता है न, पुन्नासरी, उससे। ब्राह्मण चिल्लाया, क्या? तुमने उस बदमाश सुनार से भैंस ख़रीदी? हाँ, उसी सुनार से। ख़ूब दूध देती है। उसका घी बेचने से हमारा काम चल जाता है। सुबह-शाम दो-दो बालटी दूध देती है वह! तुम भी! तुमने उसे ध्यान से नहीं देखा। वह असली भैंस नहीं है। यह भैंस लाख की बनी है। अरे नहीं, यह कैसे हो सकता है! लाख की भैंस के कहीं दूध होता है भला! इसी से मैं कहता हूँ कि औरतों की अक़्ल एड़ी में होती है। दूध देती है तो क्या! है तो वह लाख की ही। मुझसे जबान मत लड़ाओ। सुनारों को तुम नहीं जानतीं।

वीर गाथा

हवलदार रोहित कुमार : खतरनाक ढलान पर खोला जवानों के लिए रास्ता, कर्तव्य पथ पर दिया बलिदान

हवलदार रोहित कुमार का जन्म हिमाचल प्रदेश के किन्नौर ज़िले के तरांडा गांव में हुआ था। माता कृष्णा देवी और पिता अमर सिंह के बेटे रोहित भारतीय सेना की डोगरा रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। बाद में, उन्हें हाई एल्टीट्यूड वॉरफेयर स्कूल में इंस्ट्रक्टर तैनात किया गया। रोहित कुमार ने माउंट कुन की 7,077 मीटर की खतरनाक ढलान पर अदम्य साहस का प्रदर्शन किया था।

वे रास्ता खोलने के लिए क्लाइंबर्स टीम का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशनल क्लाइंबिंग ट्रेनिंग के तहत एक मिसाल कायम की।

वे अपने जवानों को ट्रेनिंग देने के लिए 18,600 फीट से ज़्यादा ऊंचाई पर थे। वहां तापमान माइनस में था। ऐसे माहौल में ट्रेनिंग का मकसद होता है- जवानों को ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध के लिए तैयार करना। रोहित कुमार खतरनाक ढलानों पर आगे बढ़कर रस्सियां लगा रहे थे।

इससे माउंट कुन की चोटी का रास्ता खुल गया। उनके नेतृत्व में ढलानों पर 2,000 मीटर से ज्यादा रस्सियां लगाई गईं।

8 अक्टूबर, 2023 को जब रोहित ऊपर चढ़ रहे थे तो अचानक हिमस्खलन हुआ। वे कर्तव्य पथ पर वीरगति को प्राप्त हो गए। हवलदार रोहित कुमार जैसे वीर जवानों की वजह से ही देशवासी सुख-चैन से रह पाते हैं। जिन इलाकों की कल्पना मात्र से लोग डरते हैं, वहां हमारे वीर जवान तिरंगा लहराते हैं। हवलदार रोहित कुमार को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रिहर्सल

अमृतसर में शनिवार को रिपब्लिक डे परेड 2026 के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पारंपरिक पंजाबी कपड़ों में एक स्टूडेंट परफॉर्म करते हुए।

विक्रम भट्ट और उनकी बेटी के खिलाफ 13.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई/एजेन्सी

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पहले ही उदयपुर जेल की हवा खा रहे मशहूर प्रोड्यूसर और डायरेक्टर विक्रम भट्ट की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। अब वर्सोवा पुलिस स्टेशन में विक्रम भट्ट और उनकी बेटी के खिलाफ धोखाधड़ी का नया मामला दर्ज किया गया है जिसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। इस बार मामला 13.5 करोड़ रुपए की ठगी का है। बताया जा रहा है कि विक्रम भट्ट और उनकी बेटी ने एक बिजनेसमैन से फिल्मों में निवेश के बदले अच्छे रिटर्न का वादा किया था। बिजनेसमैन से 13.5 करोड़ रुपए लिए गए लेकिन रकम नहीं लौटाई। इस मामले में इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने विक्रम

भट्ट और बेटी कृष्णा भट्ट के खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया है। इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने इस केस को आगे की जांच के लिए अपने पास ट्रांसफर कर लिया है।

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में विक्रम भट्ट पहले ही अपनी पत्नी के साथ उदयपुर जेल में बंद हैं। निर्माता को पहले दिसंबर की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था और फिर 7 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेज दिया गया। खराब तबीयत का हवाला देते हुए दंपत्ति ने उदयपुर की अदालत में जमानत के लिए याचिका डाली थी, लेकिन 17 दिसंबर को याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया। दंपत्ति जल्द ही जोधपुर हाईकोर्ट का रुख करेगा।

इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक डॉक्टर अजय मुर्डिया ने भट्ट दंपत्ति पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस कराया था, जिनके देशभर में इंदिरा आईवीएफ सेंटर बने हैं। मुंबई में विक्रम भट्ट और कारोबारी की मुलाकात हुई थी, जहां कारोबारी अपनी पत्नी इंदिरा पर बायोपिक बनवाना चाहते थे। दोनों के बीच बायोपिक के साथ 4 फिल्मों का कॉन्ट्रेक्ट साइन हुआ और रकम के तौर पर 44.29 करोड़ रुपए दिए गए थे।

ट्रंप ने 'शांति बोर्ड' में शामिल होने का कनाडा को दिया निमंत्रण वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के आक्रामक रुख से नाराज होकर उन्हें अपने शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया।

इस बीच, ट्रंप की अगुवाई वाले इस संगठन को उनके कई पश्चिमी सहयोगी देश संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। ट्रंप की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड का शुरुआत में गठन हमास में इजराइल के युद्ध पर विराम लगाने पर केंद्रित था लेकिन आलोचकों को संदेह है कि यह संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं के विकल्प के तौर पर उभर सकता है। कार्नी उन देशों के नेता के रूप में तेजी से उभर रहे हैं जो अमेरिका का मुकाबला करने के लिए एकजुट होने के तरीके खोज रहे हैं। कार्नी ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान कहा, मध्यम शक्ति वाले देशों को मिलकर कदम उठाना होगा, क्योंकि अगर आप बातचीत की मेज पर नहीं हैं, तो आप दांव पर हैं। उन्होंने कहा, महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता के दौर से गुजर रही दुनिया में, मध्यम शक्ति वाले देशों के पास एक विकल्प है– या तो वे कृपा पाने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करें या फिर एक प्रभावशाली तीसरा मार्ग बनाने के लिए एकजुट हों। कार्नी ने कहा, हमें कठोर शक्तियों के उदय के बीच इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि वैधता, ईमानदारी और नियमों की शक्ति मजबूत बनी रहेगी, यदि हम इसे मिलकर इस्तेमाल करने का फैसला करें। ट्रंप ने इन टिप्पणियों को लेकर दावोस में धमकी भरे लहजे में प्रतिक्रिया दी और कनाडा को दिया 'शांति बोर्ड' का निमंत्रण वापस ले लिया। ट्रंप ने कहा, कनाडा का अस्तित्व अमेरिका की वजह से है। कार्नी हालांकि इसके बावजूद झुके नहीं और उन्होंने कनाडा को उथल-पुथल और अनिश्चितता से घिरी दुनिया के लिए एक मिसाल बताते हुए कहा कि बदलते दौर में रास्ता तलाश रहे विश्व के अन्य नेताओं के लिए कनाडा एक संभावित खाका पेश कर सकता है।

पिछले साल जहाजरानी कंपनियों ने सबसे अधिक भारतीय नाविकों को रास्ते में ही छोड़ा : आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन स्थित परिवहन श्रमिकों के एक वैश्विक संघ के अनुसार 2025 में जहाजरानी कंपनियों ने सबसे अधिक 1,125 भारतीय चालक दल सदस्यों को यात्रा के बीच में ही छोड़ दिया।

आंकड़ों के मुताबिक चालक दल के सदस्यों को बीच रास्ते में ही छोड़ने के मामले में लगातार दूसरे साल भारतीयों की संख्या अधिक रही।

इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन (आईटीएफ) के मुताबिक पिछले साल दुनिया भर में नाविकों को बीच में ही छोड़ने का स्तर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उसने अद्यतन आंकड़ों में जानकारी दी कि 410 जहाजों के 6,223 नाविकों को बीच में ही छोड़ दिया गया।

आईटीएफ ने भारत के उन जहाजों या कंपनियों को 'ब्लैकलिस्ट'करने की पहल का स्वागत किया जो बार-बार उसके नाविकों को बीच में ही छोड़ देते हैं या अन्य गलत प्रथाओं में संलग्न हैं।

आईटीएफ के नाविक संभाग के अध्यक्ष डेविड हेइंडेल ने कहा,यह बेहद शर्मनाक है कि एक बार फिर हम बेईमान जहाज मालिकों द्वारा रिकॉर्ड संख्या में नाविकों को बीच में ही छोड़े जाने का मामला देख रहे हैं। उन्होंने कहा, हर दिन, पूरी दुनिया में, नाविकों को उनके मानवाधिकारों और श्रम अधिकारों के घोर उल्लंघन का सामना करना पड़ता है, यह सब इसलिए होता है ताकि लालची कंपनियां उनकी कीमत पर जल्दी पैसा कमा सकें।

हेइंडेल ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह उद्योग में एक व्यवस्थागत समस्या है। इसका अभिप्राय है कि हमें पूरे उद्योग को नाविकों और उनके संघों के साथ मिलकर यह कहना होगा कि 'बहुत हो गया', और इस संकट को समाप्त करने के लिए मिलकर कार्रवाई करनी होगी।

लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने नाविकों को बीच में ही छोड़ने को तीन मानदंडों के तहत परिभाषित किया है। पहला, नाविक को स्वदेश वापसी की लागत देने से इनकार। दूसरा, नाविक को आवश्यक भरण-पोषण और सहायता के बिना छोड़ देना। तीसरा, नाविक के साथ एकतरफा संबंध तोड़ना, जिसमें कम से कम दो महीने की अवधि के लिए संविदात्मक वेतन का भुगतान करने में विफलता शामिल है।

आईटीएफ के विश्लेषण के मुताबिक जहाजों से चालक दल के सदस्यों को बीच में ही छोड़ने के सबसे अधिक मामले पश्चिम एशिया में आते हैं और उसके बाद यूरोप का स्थान है। संघ के मुताबिक तुर्किये में सबसे अधिक 61 ऐसे मामले आए जबकि संयुक्त अरब अमीरात में नाविकों को बीच में ही छोड़ देने के 54 मामले दर्ज किए गए।

आईटीएफ के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के अंत में कानूनी समिति की बैठक में चर्चा से पहले आईएमओ को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इसमें उल्लेख है कि 2025 में छोड़े गए नाविकों का कुल 2.58 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बकाया कंपनियों पर था जिनमें से 1.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वसूली की जा सकी।

गणतंत्र दिवस से पहले 'बैटल ऑफ गलवान' का दिल छू लेने वाला गाना 'मातृभूमि' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में हुए भारत-चीन संघर्ष पर आधारित एक ऐतिहासिक वॉर ड्रामा फिल्म है। गणतंत्र दिवस से पहले मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक खास तोहफा दिया है। उन्होंने फिल्म का नया गाना 'मातृभूमि' रिलीज कर दिया है। फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका में हैं, जबकि चित्रांगदा सिंह भी अहम किरदार निभा रही हैं। 'मातृभूमि' एक पैट्रियॉटिक सॉन्ग है, जिसे अरिजीत सिंह, श्रेया घोषाल और मास्टर सनी धरमकोट ने अपनी शानदार आवाज से सजाया है, जबकि इसके लिरिक्स समीर अंजान ने लिखे हैं और म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है। सलमान खान ने फिल्म का गाना अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, गाना मातृभूमि रिलीज हो चुका है।

इस गाने के रिलीज होते ही फैंस और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने इसे सुनकर भावुक होने की बात कही और इसे 'बेस्ट' बताया। गाना देश की मातृभूमि के लिए प्यार, सैनिकों की बहादुरी और बलिदान की भावना को बखूबी दर्शाता है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में साल 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष की कहानी को बयां किया गया है, जिसमें भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया था। फिल्म में सलमान कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उस संघर्ष में शहीद हुए थे और उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

फिल्म में सलमान और चित्रांगदा के साथ जेन शॉ, अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, हीरा सोहल और विपिन भारद्वाज समेत कई मंझे हुए कलाकार अहम भूमिका में दिखेंगे। 'बैटल ऑफ गलवान' साल 2026 में रिलीज होगी। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया था। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। अब देखना होगा कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों में कैसी पहचान बनाएगी।

जानकारी

आईसीएआर -सेंट्रल मरीन फिशरीज़ रिसर्च इंस्टीट्यूट के अधिकारी पश्चिम बंगाल, साउथ 24 परगना में पूरी तरह से डिजिटाइज़्ड नेशनल मरीन फिशरीज़ सेंसस के दौरान डिटेल्स इकट्ठा करते हुए।

'दलदल' में पुलिस अफ़सर बनीं भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

भुमि सतीश पेडनेकर अपनी नई वेब सीरीज़ दलदल में पहली बार पुलिस अफ़सर का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज़ में वह डीसीपी रीटा फरेरा बनी हैं, जो शांत लेकिन सख़्त अफ़सर है और अपने काम को बहुत गंभीरता से लेती है। भुमि कहती हैं कि उन्हें ऐसे किरदार पसंद हैं जो बिल्कुल परफेक्ट न हों, बल्कि असली इंसानों जैसे लगें। वह अपने रोल को आसान या सुंदर दिखाने की कोशिश नहीं करतीं, बल्कि उसे जैसा है वैसा ही दिखाना चाहती हैं। रीटा फरेरा एक ऐसी अफ़सर है जो पुरुषों से भरे पुलिस सिस्टम में काम करती है। वह ज़्यादा बोलती नहीं है और अपनी भावनाएं भी कम दिखाती है। भुमि बताती हैं कि रीटा शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत तरीके से अपनी बात रखती है, और यही उसे अलग बनाता है। भुमि का कहना है कि समाज में महिलाओं से हमेशा अच्छा और सही बनने की

उम्मीद की जाती है, लेकिन वह इस सोच को बदलना चाहती हैं। उनके मुताबिक, अगर कोई महिला उलझी हुई या खामियों से भरी है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।दलदल एक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज़ है, जिसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है और अबंडैंशिया एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इसमें समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम रोल में हैं। यह सीरीज़ 30 जनवरी से प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी और भारत समेत दुनिया के कई देशों में स्ट्रीम की जाएगी।

गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सिनेमा की झांकी दिखाएंगे संजय लीला भंसाली

नई दिल्ली/एजेन्सी

गणतंत्र दिवस पर हर साल कर्तव्य पथ पर निकलने वाली झांकियां देश की विविधता, इतिहास और रचनात्मक शक्ति को दर्शाती हैं। इस साल गणतंत्र दिवस पर भारतीय सिनेमा को मिलने वाला सम्मान खास तौर पर चर्चा में है। मशहूर फिल्म निर्देशक और निर्माता संजय लीला भंसाली द्वारा भारतीय सिनेमा पर आधारित झांकी की प्रस्तुति को लेकर अब फिल्म इंडस्ट्री की एक बड़ी संस्था ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आभार जताया है। इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन (आईएफटीडीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए पत्र में कहा, ''भारतीय फिल्म उद्योग इस बात से गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि संजय लीला भंसाली जैसे प्रतिष्ठित निर्देशक को गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। वह कर्तव्य पथ पर सदाबहार फिल्मों पर आधारित एक विशेष झांकी प्रस्तुत करेंगे।''

आईएफटीडीए ने पत्र में संजय लीला भंसाली को भारतीय सिनेमा के शोमैन और मास्टर ऑफ क्राफ्ट के रूप में संबोधित करते हुए कहा, ''भंसाली की फिल्मों की भव्यता, उनकी कहानी कहने की शैली और किरदारों की गहराई भारतीय सिनेमा की पहचान बन चुकी है। ऐसे में गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय मंच पर उनकी फिल्मों से प्रेरित झांकी का प्रदर्शन पूरे देश के लिए गर्व की बात है।''

पत्र में आगे लिखा, ''यह झांकी दर्शकों के लिए यादगार होगी। इससे न सिर्फ परेड देखने वाले लोगों का मनोरंजन बढ़ेगा, बल्कि परेड में भाग लेने वालों के भीतर भी एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा। भारतीय सिनेमा की यह प्रस्तुति देश की सांस्कृतिक शक्ति को और मजबूती से सामने लाएगी।''

संस्था ने इस पहल के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएफडीसी) का भी आभार जताया है। पत्र में कहा गया, ''इन संस्थानों के सहयोग और पहल के बिना इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुति संभव नहीं होती। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार भारतीय सिनेमा को केवल मनोरंजन के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी देख रही है।''

आईएफटीडीए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की सराहना करते हुए पत्र में कहा, ''प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच के कारण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। फिल्म जगत इस पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभारी रहेगा और इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण के रूप में देखा जाएगा।'' पत्र के आखिर में आईएफटीडीए ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा, ''गणतंत्र दिवस जैसे ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय सिनेमा को यह स्थान देना फिल्म इंडस्ट्री के लिए सम्मान की बात है। संजय लीला भंसाली की झांकी न केवल भारतीय फिल्मों की कला और सौंदर्य को दर्शाएगी, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।''

'गद्दी पर बैठे कुछ लोग नहीं चाहते कि वे आगे बढ़ें,'हर्षा रिछारिया ने बिना नाम लिए साधु-संतों पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। महाकुंभ के दौरान मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया को छोड़ धर्म की राह अपनाने वाली हर्षा रिछारिया अपने बयानों को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हैं। उन्होंने वापस ग्लैमर की दुनिया में जाने का फैसला कर लिया है, क्योंकि कुछ गद्दी पर बैठे लोग नहीं चाहते हैं कि वे आगे बढ़ें। हर्षा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि वह किसी का नाम नहीं लेंगी, लेकिन उन्हें आज भी बहुत परेशान किया जा रहा है। साध्वी से वापस ग्लैमर की दुनिया में जाने के फैसले पर हर्षा रिछारिया ने कहा, मैंने इस मार्ग पर चलने के लिए अपने सभी काम छोड़ दिए थे। अंत में मुझे एहसास हुआ कि मैं कोई साधु, साध्वी या संन्यासी नहीं हूं जो अपने सभी कामों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से लोगों के दान और भेंट पर निर्भर रह सके। मैंने समझा कि धर्म का प्रचार तभी उचित है जब आपके पास स्वयं पर्याप्त संसाधन हों, इसलिए मैंने अपने काम को धीरे-धीरे इस तरह से प्रबंधित करने का निर्णय लिया जिससे मैं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपना जीवन भी जी सकूं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर राशन भी खरीदना है तो पैसे की जरूरत पड़ती है। कौन कितने दिन ही उधार देगा? यहां मेरे फैसलों पर और मेरे चरित्र पर उंगली उठाई जा रही है और किसी तरह का कोई सपोर्ट भी नहीं है। हर्षा रिछारिया ने

कहा, मैं किसी व्यक्ति का नाम नहीं लूंगी, क्योंकि कुछ लोग लगातार इस तरह की हरकतें करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना ङ्ङ्है कि अगर मुझे किसी व्यक्ति से कोई समस्या है तो मैं उसका समर्थन नहीं करूंगी। अगर मुझे किसी से असहजता महसूस होती है, तो यह समझ में आता, लेकिन किसी के जीवन में बार-बार बाधाएं खड़ी करना, लगातार परेशानियां पैदा करना और पहले से ही यह तय कर लेना कि चाहे कुछ भी हो जाए, उसे जीवन में आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा, यह बहुत गलत सोच है। कुछ साधु-संत ऐसे करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

हर्षा रिछारिया ने सनातन धर्म को त्यागने के सवाल पर कहा, सबसे पहले तो यह कहना गलत होगा कि कुंभ के दौरान मैंने सनातन धर्म को 'अपना लिया,' क्योंकि कोई भी व्यक्ति किसी धर्म को तब तक पूरी तरह से नहीं अपना सकता, जब तक वह उसका हिस्सा न हो। मैं खुद को इस धर्म में जन्म लेने के लिए भाग्यशाली मानती हूं, तो मैं कौन होती हूं इसे 'अपना लेने वाली'? सनातन धर्म के लिए हमने जो काम शुरू किया था, धार्मिक कार्यक्रमों, सोशल मीडिया और युवाओं एवं बेटियों से जुड़ने के माध्यम से, मैंने उस पर विराम लगाने का फैसला किया था, न कि धर्म को छोड़ने का। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के बाद मैंने युवाओं को धर्म से जोड़ने, धर्म का ज्ञान कराने और खासकर युवा महिलाओं और बच्चियों के लिए कार्य करने का सोचा था, लेकिन मेरे हर काम को रोक दिया जा रहा था। गद्दी पर बैठे कुछ लोग नहीं चाहते हैं कि मैं आगे बढ़ूं और समाज के लिए कुछ करूं।

स्थापना दिवस समारोह पर भक्ति कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित गुरु श्री शांति विजय जैन विद्यालय में योगीराजश्री गुरु श्री विजय शांति सूरीश्वरजी का 136वाँ जन्म महोत्सव एवं 121 वाँ दीक्षा दिवस समारोह स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थापक एवं संचालक समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालय संवाददाता एवं सचिव ज्ञान जैन ने कहा कि सभी प्राणियों के प्रति समभाव ही मानव को आत्म संतोष प्रदान करता है। प्राचार्या उमा महेश्वरी ने गुरुदेव जी के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। नैतिक शिक्षा के मास्टर पिंकेश गुरु जी ने सुकर्म करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। भजन, भक्तांबर एवं भक्तिमय नृत्य आदि द्वारा उन्होंने सबको मंत्र मुग्ध कर दिया।

विद्यार्थी जीवन केवल अंकों के लिए नहीं, जीवन निर्माण के लिए है : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। शहर के महावीर विद्यालय में जयगच्छीय डॉ. श्री पदमचंद्रजी की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में कक्षा छठी से नवमीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'मेमोरी पावर एन्हांसमेंट एवं एकाग्रता विकास' विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी ने विद्यार्थियों को मेडिटेशन के माध्यम से बुद्धिशक्ति बढ़ाने, स्मरण शक्ति सशक्त करने तथा पढ़ाई में एकाग्रता लाने के

सरल एवं प्रभावी टिप्स और ट्रिक्स बताए। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को समझते हुए उनके व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत किए।

डॉ. समणी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का अपना पीक परफॉर्मेंस टाइम होता है, जिसे पहचानकर यदि सही दिशा में प्रयास किया जाए तो विद्यार्थी अपना शत-प्रतिशत प्रदर्शन कर सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पढ़ाई-लिखाई जीवन को उत्तम, सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बनाने का माध्यम है। शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और उच्च जीवन मूल्यों से युक्त बनाती है।

जैन समणी डॉ. सुयशनिधि ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनके पुरुषार्थ, प्रयास और निरंतर मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ किया गया परिश्रम निश्चित रूप से सफलता की ओर ले जाता है।

लायंस क्लब ने मनाया राष्ट्रीय बालिका दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3241 सी ने सोसाइटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ अनबॉर्न चाइल्ड (एसपीयूसी) के सहयोग से शनिवार को साहुकारपेट में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। साहुकारपेट के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय के शिक्षकों और प्रधानाचार्य को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में लायन आर. मुरली उपस्थित थे। जिन्होंने सभी क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के छात्रों को प्रोत्साहित किया। लायन आर. मुरली ने बताया कि भारत सरकार के महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्रालय ने कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के उद्देश्य से घटते बालिका अनुपात और महिलाओं के प्रजनन अधिकारों एवं स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2008 में इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि 2019 में यह मिशन बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के रूप में शुरू हुआ।

महिला सशक्तिकरण की जिला अध्यक्ष लायन उषा बोहरा ने श्री कन्हैयालाल अग्रवाल बाल निकेतन नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल की प्रिंसिपल मीतू संघवी को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। एसपीयूसी के ट्रस्टी कमल कुमार बिनानी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का पुरस्कार प्रदान किया। इस समारोह में दस अलग-अलग विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष लायन जे. बद्रीनाथ और मद्रास फोर्ट सेंट जॉर्ज लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन मितेश मेहता सहित अन्य विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

'बालिका बचाओ, शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ सशक्तिकरण' विषय पर एक अंतर-विद्यालयीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जूनियर और सीनियर कक्षाओं के लिए भाषण प्रतियोगिता तमिल, हिंदी और अंग्रेजी में आयोजित की गई थी। एसपीयूसी के ट्रस्टी कमल कुमार बिनानी ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों के लगभग 10 स्कूलों के छात्रों ने तीनों भाषाओं में भाग लिया। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

भारत ने वांछित 70 से अधिक भगोड़ों का विदेश में पता लगाया : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 70 से अधिक भगोड़ों का विदेश में पता लगाया। एक आधिकारिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। इसी अवधि के दौरान अन्य देशों द्वारा वांछित 203 भगोड़ों को भारत में पकड़ा गया। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में भारत द्वारा कुल 71 वांछित/भगोड़ों का विदेश में पता लगाया गया। अधिकारियों का दावा है कि विदेश में पता लगाए गए ऐसे वांछित भगोड़ों की संख्या एक दशक से अधिक समय में सबसे अधिक है। मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 27 भगोड़े या वांछित व्यक्ति विदेश से भारत आए। इसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कामकाज के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई है। सीबीआई भारत में इंटरपोल के लिए नोडल एजेंसी-नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में काम करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान, विदेशों में 74 अनुरोध पत्र भेजे गए, जिनमें से 54 सीबीआई मामलों से संबंधित थे जबकि 20 राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े थे। सीबीआई सहित भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पुष्टि की है कि उक्त अवधि के दौरान 47 अनुरोध पत्र पूरी तरह निष्पादित किए गए, जबकि 29 को आंशिक निष्पादन के बाद बंद कर दिया गया या वापस ले लिया गया। पिछले साल 31 मार्च तक, अन्य देशों के पास कुल 533 अनुरोध पत्र लंबित थे, जिनमें से 276 सीबीआई मामलों से और 257 राज्य पुलिस व अन्य केंद्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से संबंधित थे।

पूर्व प्रमुख सचिव रत्नू का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में दो दिन चेन्नई प्रवास पर आए तमिलनाडु कैडर के वरिष्ठ आईएएस एवं पूर्व प्रमुख शासन सचिव राजेन्द्र रत्नू का चेन्नई एयरपोर्ट पर शॉल ओढाकर, माला पहनाकर एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष रत्नू ने प्रमुख शासन सचिव पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति हुए थे। रत्नू तमिलनाडू में कई जिलों में कलेक्टर एवं प्रमुख पद पर सेवा दे सुके है।

इस समारोह के दौरान संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष गोरूदान सांदु, तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई के अध्यक्ष हिंगलाजदान चारण आकली, श्री अखिल भारतीय चारण-गढ़वी महासभा, अप्रेसर अरविंद कुमार चारण, कस्टम चेन्नई के सुप्रीडेंट्स बलवंत दान चारण, कस्टम चेन्नई के सुप्रीडेंट्स विक्रमसिंह राजपुरोहित, कस्टम चेन्नई के इंस्पेक्टर योगेन्द्र देथा जीएसटी चेन्नई आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 'हॉई फेब्रिक्स इंक व मोंटी इंडिया' का अवलोकन किया

जोधराज व आकाश मांडोत ने किया उनका सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या व कांग्रेस के चीफ व्हीप अशोक पाटन ने शनिवार को बेंगलूरु के लालबाग रोड स्थित प्रतिष्ठित 'हॉई फेब्रिक्स इंक व मोंटी इंडिया' के कार्यालय का दौरा किया तथा कॉटन शर्टिंग कपड़े व फेब्रिक्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कपड़ा व फेब्रिक्स उद्योग के बारे में जाना। 'हॉई फेब्रिक्स इंक व मॉंटी' के प्रमुख जोधराज मांडोत व आकाश मांडोत ने मुख्यमंत्री व चीप व्हीप का सम्मान किया।

ज्ञातव्य है कि मोंटी इंडिया पूरे विश्व में कपड़े का एक्सपोर्ट करते हैं और वे हेकेट लंदन, ह्यूगो बॉस, जारा, पोलो, रेलफ लॉरेन, ड्रेसमेन, कैफे कॉटन पेरिस आदि को एक्सपोर्ट करते हैं। हॉई फेब्रिक्स इंक प्रतिष्ठान पूरे भारत के लगभग 35सौ रिटेल स्टोर पर '100 प्रतिशत शर्टिंग फेब्रिक्स' की आपूर्ति करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

माता का जन्मोत्सव

बेंगलूरु के कब्बनपेट स्थित चेहर माता मंदिर में माताजी का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने माताजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर अनेक माता भक्त उपस्थित थे।

भागवती दीक्षा संयम शोभायात्रा व वर्षीदान वरघोड़े में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गुंडूराव ने जैन समाज के मानवसेवी कार्यों को सराहा

गुरुवन्ना देवरु मठ में आज होगी मुमुक्षु लवेश की जैनेश्वरी भागवती दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के तत्वावधान में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर शनिवार को सुबह वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ पार्क वेस्ट सकल संघ के सहयोग से संयम शोभायात्रा व वर्षीदान वरघोड़े का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं और 'संयमी अमर रहो' के जय जयकार के साथ पार्क वेस्ट क्लब हाउस से शोभायात्रा प्रारंभ होकर गुरुवन्ना देवरु मठ ईटा गार्डन के पास पहुंची और धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। इस मौके पर पंडितरत्न व्याख्यानी श्री ज्ञानमुनिजी, उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, लोकेशमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, ऋद्धिश्रीजी व गौण्डल सम्प्रदाय की स्वातिजी व खूशबूजी के सान्निध्य में सकल संघ द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव के अनुमोदनार्थ स्वागत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। धर्म लाभार्थी परिवार मीठालाल भरतकुमार भंसाली परिवार और शांतिदेवी जवरीलाल रातड़िया परिवार से उत्तमचंद, पदमराज, मनीषकुमार रातड़िया परिवार ने सकल संघ का स्वागत करते हुए उन्हें सेवा का अवसर प्रदान करने के लिए केन्द्र एवं सभी सतों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी का स्वागत किया तथा साधु साध्वियों का आशीर्वाद लिया। अपने विचार व्यक्त करते हुए मंत्री गुंडूराव ने जैन समाज के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जैन समाज संख्या में कम परन्तु समाज व देश विकास में उनका योगदान बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि जैन समाज हमेशा से शिक्षा, स्वास्थ्य व धर्म के कार्य के साथ मानवसेवा कार्य में अग्रणी रहता है। शालिभद्रमुनिजी व आराधना केन्द्र-ट्रस्ट सदस्यों ने मंत्री गुंडूराव से जैन आराधना केन्द्र के सामने के मार्ग का नाम 'गुरु पुष्कर नरेश दर्शन मार्ग' करने का निवेदन किया जिस पर गुंडूराव ने अधिकारिक रूप में इस कार्य के लिए आवेदन करने की बात कही। ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। महामंत्री महावीरचंद मेहता ने सबका आभार व्यक्त किया।

अभिनन्दन समारोह में ज्ञानमुनिजी, नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, समृद्धिश्रीजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, खूशबूजी, तरुणशीलाजी आदि ने अपने प्रासंगिक विचार व्यक्त करते हुए मुमुक्षु लवेश सिंघवी को संयम पथ पर अग्रसर होने के लिए व सफल जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विभिन्न उपनगरों सहित मुम्बई, धारावी, भिवंडी, गजेन्द्रगढ़, पुणे, शिव्वमोगा, सिंधनूर, जयपुर, जोधपुर, पंजाब, इचलकरजी, पंजाब आदि अनेक शहरों से श्रद्धालुगण मुमुक्षु के स्वागत समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों ने मुमुक्षु का सम्मान किया। कार्यक्रम में हंसराज गांधी, सिंधनूर के गौतमचंद बम्ब ने अपने विचार व्यक्त किए। सम्मान कार्यक्रम में अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोककुमार रांका, माणकचन्द बडेरा, महावीरचन्द मेहता, महावीरचन्द धारीवाल, चंदुलाल लुंकड़, मीठालाल भंसाली, उत्तमचंद रातड़िया, फूलचंद लुंकड़, कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के अनेक पदाधिकारी, ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के सदस्य, नवयुवक मंडल, महिला मंडल,युवती मंडल, बालिका मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर संतों व श्रद्धालुओं ने उपप्रवर्तिनी साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी के असीम उपकारों को याद किया। दोपहर में सांझी का कार्यक्रम, संयम गीत तथा शाम को दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह में बंधु मंडल द्वारा संगीत संध्या व भजनों की प्रस्तुति दी। सुमति जैन बैंड, महावीर दर्शन बैंड की प्रस्तुति सराहनीय रही। रविवार को प्रातः साढ़े आठ बजे से महाभिनिष्क्रमण यात्रा एवं नौ बजे मुमुक्षु लवेश सिंघवी के दीक्षोत्सव का कार्यक्रम आयोजित होगा।कार्यक्रम का संचालन गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। महामंत्री महावीरचंद मेहता ने सबको धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.